www.akhandbharatsandesh.net

वर्ष 24, अंक 345, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित, लखनऊ, कानपुर, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, जौनपुर, वाराणसी, गाजीपुर में प्रसारित

नगर संस्करण प्रयागराज | बुधवार 24 जून 2026 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

युद्ध करेंगे... पाकिस्तान की गीदड़ भभकी पर MEA का पलटवार

दुनिया का ध्यान भटका रहे

नई दिल्ली

भारत ने निलंबित सिंधु जल संधि पर पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के "हम युद्ध करेंगे" वाले बयान की कड़ी आलोचना की। भारत ने कहा कि ये टिप्पणियां इस्लामाबाद की अपनी नाकामियों को छिपाने और मानवाधिकारों के उल्लंघन से ध्यान भटकाने की कोशिशें हैं। नई दिल्ली का यह बयान आसिफ की उस धमकी के कुछ ही दिनों बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर पाकिस्तान की जल सुरक्षा पर संकट आया तो वह भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ देंगे। इससे पहले, भारत ने कहा था कि सिंधु जल संधि को रोके रखने का उसका फैसला बदला नहीं जाएगा।

मंगलवार को साप्ताहिक प्रेस ब्रीफि ंग के दौरान, विदेश मंत्रालय (टएअ) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तानी रक्षा मंत्री की टिप्पणियों के बारे में हमने इस मामले पर रिपोर्ट देखी हैं। ऐसी बातें पाकिस्तान की अपनी नाकामियों को छिपाने और मानवाधिकारों के उल्लंघन से ध्यान भटकाने की हताशा भरी कोशिशें हैं। हम इन मनगढ़ंत दावों को पूरी तरह और पूरी सख्ती के साथ खारिज करते हैं। जयसवाल ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के मौजूदा हालात का ज़िक्र करते हुए कहा कि यह पाकिस्तान की उस दशकों पुरानी नीति का

सीधा नतीजा है, जिसके तहत वह अपने अवैध और जबरदस्ती किए गए कब्जे वाले इलाकों में लोगों का सुनियोजित आर्थिक शोषण करता है, उन्हें बुनियादी अधिकारों से वंचित रखता है और प्रशासनिक दमन करता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान ने आम नागरिकों के साथ निंदनीय व्यवहार किया है और अत्यधिक क्रूरतापूर्ण नीतियां अपनाई हैं, जिनमें जरूरी सामान और दवाओं की आपूर्ति रोकना, इंटरनेट बंद करना और निहत्थे नागरिकों के खिलाफ घातक बल का इस्तेमाल करना शामिल है। जयसवाल ने कहा कि जैसा कि आप जानते हैं, इसके कारण कई लोगों की जान चली गई है। हमें उम्मीद है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय पाकिस्तान को उसके कामों, गलत हरकतों और मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए जवाबदेह ठहराएगा।

पाकिस्तान का झूठ फिर बेनकाब, भारत के सभी 36 राफेल सुरक्षित! एयरफोर्स ने जारी किए टेंडर दस्तावेज

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना के राफेल लड़ाकू विमानों को लेकर पाकिस्तान ने कई झूठे दावे किए थे. अब पाक के दावों की पोल खुल गई है. इंडियन एयरफोर्स के एक हालिया सरकारी दस्तावेज से ऐसा कोई संकेत नहीं मिलता कि इस ऑपरेशन के दौरान भारत का कोई राफेल फाइटर जेट नष्ट हुआ था. दरअसल, भारतीय वायुसेना ने फ्रांस की कंपनी Dassault Aviationऔर उससे जुड़े साझेदारों के लिए राफेल बेड़े के रखरखाव और संचालन सहायता से संबंधित एक आरएफपी (रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल) यानी टेंडर जारी किया है. दस्तावेज में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि भारतीय वायुसेना 36 राफेल लड़ाकू विमानों का संचालन कर रही है और इन विमानों के लिए पांच महीने की अवधि के लिए ब्रिज सपोर्ट की जरूरत है.

दस्तावेज के मुताबिक, इंडियन एयरफोर्स ने फ्रांस की Safran Aircraft Engines को भेजे गए प्रस्ताव में कहा है कि 2016 के अंतर-सरकारी समझौते के तहत खरीदे गए ।

पद्म पुरस्कार..

सिंगर अलका याग्निक को मिला पद्म भूषण, पीएम मोदी के छुए पैर, लिया आशीर्वाद

श्री माता वैष्णो देवी यात्रा ने ने बनाया नया Record!

जम्मू

श्री माता वैष्णो देवी यात्रा ने इस साल एक अहम उपलब्धि हासिल की है। 22 जून को जम्मू-कश्मीर के रियासी ज़िले में स्थित पवित्र गुफा मंदिर में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 50 लाख का आंकड़ा पार कर गई। एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि पिछले साल इसी अवधि में मंदिर आने वाले 39.84 लाख श्रद्धालुओं की तुलना में यह 27.3 प्रतिशत से ज्यादा की शानदार बढ़ोतरी है। श्राइन बोर्ड के एक प्रवक्ता ने कहा कि पिछले साल इसी अवधि में लगभग 39.84 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र मंदिर के दर्शन किए थे।

भरत तिवारी एनकाउंटर केस में बड़ा एक्शन

गोली चलाने वाले पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज

शाहपुर

भोजपुर के भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में बड़ा एक्शन लिया गया है. भरत तिवारी की मां आशा देवी के आवेदन के आधार पर गोली मारने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है. भोजपुर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) राज ने मंगलवार (23 जून, 2026) को इसकी पुष्टि की है. घटना के बाद भरत की मां आशा देवी ने एसपी को आवेदन दिया था. अब इसके आधार पर जगदीशपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी और शाहपुर थानाध्यक्ष सहित अन्य सहयोगी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध शाहपुर थाने में मामला दर्ज किया गया है. बता दें कि इस केस में अब तक पांच पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया है. इनमें तत्कालीन शाहपुर थानाध्यक्ष राजेश कुमार मालाकार, पु.अ.नि अंकित आर्यन, पु.अ.नि हरश्चिंद्र कुमार, स.अ.नि. रामाशंकर यादव और महिला सिपाही मीरा कुमारी शामिल हैं. भरत तिवारी की मां आशा देवी ने भोजपुर एसपी को दिए आवेदन में आरोप लगाया है कि उनका बेटा (भरत भूषण तिवारी) बाढ़ के विस्थापितों की समस्याओं को लेकर लगातार प्रशासन से संघर्ष कर रहा था. घटना वाले दिन कई पुलिस पदाधिकारी और जवान उनके घर पहुंचे थे. बेटे को अपने साथ चलने को कहा था

'जगदीशपुर पुलिस उपाधीक्षक के आदेश पर गोली मारी गई'

आशा देवी ने आवेदन में कहा है कि पुलिस के सामने बेटे ने फेसबुक लाइव के दौरान अपने हाथ में मौजूद हथियार को फेंक दिया था ।

दिल्ली में हैवानियत: 11 साल की बच्ची को अगवा कर किया दुष्कर्म, फिर बेरहमी से ले ली जान

नई दिल्ली: दक्षिण दिल्ली के महरौली इलाके में एक 10 वर्षीय बच्ची की हत्या के मामले ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। पुलिस के अनुसार, बच्ची सोमवार तड़के अपने परिवार के साथ फुटपाथ पर सो रही थी, तभी उसका अपहरण कर लिया गया। बाद में बच्ची मृत अवस्था में मिली। मामले में एक कैब चालक को गिरफ्तार किया गया है, जिस पर अपहरण, यौन अपराध और हत्या के आरोप लगाए गए हैं। घटना के सामने आने के बाद इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तेजी से जांच शुरू की और कुछ ही घंटों के भीतर आरोपी तक पहुंचने में सफलता हासिल की।समय और कैलेंडर

शिकायत के बाद शुरू हुई तत्काल कार्रवाई

बच्ची के लापता होने के बाद उसके परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। चूंकि मामला एक नाबालिग के गायब होने से जुड़ा था, इसलिए महरौली थाना पुलिस ने तत्काल खोजबीन शुरू कर दी।

राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण : एसआईटी ने गृह विभाग को सौंपी प्रारंभिक रिपोर्ट.. जल्द तय हो सकती है आगे की कार्रवाई

लखनऊ। अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावे में कथित हेरफेरी और चोरी के मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने अपनी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट उत्तर प्रदेश सरकार को सौंप दी है। यह रिपोर्ट अपर मुख्य सचिव (गृह) एवं मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद को सौंपी गई है। हालांकि, जांच प्रक्रिया अभी जारी है और अंतिम रिपोर्ट बाद में प्रस्तुत की जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर और श्रीराम जन्मभूमि

तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की मांग के बाद इस मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया गया था। लखनऊ मंडल के आयुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में गठित एसआईटी ने अयोध्या में छह दिनों तक रहकर मामले की गहन जांच की।

जांच के दौरान एसआईटी ने मंदिर प्रशासन, सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े कर्मियों, ट्रस्ट से संबद्ध लोगों तथा अन्य संबंधित व्यक्तियों सहित पांच दर्जन से अधिक लोगों से पूछताछ की। टीम ने चढ़ावे की गणना, उसके रखरखाव, सुरक्षा व्यवस्था और कथित अनियमितताओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच की।

लखनऊ मंडल के आयुक्त विजय विश्वास पंत ने बताया कि एसआईटी ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट शासन को सौंप दी है। उन्होंने कहा

'बुलडोजर में व्यस्त है डबल इंजन सरकार'

लखनऊ

लखनऊ के अलीगंज स्थित पुरनिया इलाके में सोमवार (22 जून) दोपहर हुए भीषण अग्निकांड को लेकर आम आदमी पार्टी के नेता और राज्य सभा सांसद संजय सिंह ने केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधा है. इस दर्दनाक हादसे में अब तक 15 लोगों की मौत की खबर सामने आई है, जबकि कई लोग घायल हुए हैं. आग इतनी भयावह थी कि इमारत में फंसे लोगों को अपनी जान बचाने के लिए ऊंचाई से कूदना पड़ा और कुछ लोग पाइप के सहारे नीचे उतरकर बाहर निकले.

'दो-चार दिन खबरें चलेंगी, फिर

सब भूल जाएंगे' संजय सिंह ने हादसे पर दुख जताते हुए कहा, "लखनऊ से लेकर दिल्ली तक लोग अग्निकांड में मारे जा रहे हैं. डबल इंजन की मोदी योगी सरकार बुलडोजर चलाने और बड़बोलेपन में व्यस्त है." उन्होंने आगे कहा, "लखनऊ अग्निकांड में 14 लोगों की जान चली गई, मुझे मालूम है 2-4 दिन मीडिया की खबरें बनेगी फिर सब भूल जाएंगे लेकिन जिनके बच्चे मारे गए हैं उनके ऊपर दुखों का बोझ हमेशा रहेगा. प्रभु मृतकों की आत्मा को शांति प्रदान करें. उनके परिजनों को ये अपार कष्ट सहन करने की शक्ति दे. मामले की उच्च स्तरीय जाँच कराकर दोषियों पर कार्यवाही की जाए." बता दें अलीगंज के पुरनिया इलाके में स्थित तीन मंजिला इमारत में अचानक आग लग गई. कुछ ही मिनटों में आग ने पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया. इमारत के भीतर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई. कई लोग जान बचाने के लिए ऊपरी मंजिलों से कूद गए, जबकि कुछ ने पाइप ।

फिरहाद हकीम समेत 8 बड़े नेता सस्पेंड, चुनाव आयोग पहुंची 'दीदी'

टीएमसी में तख्तापलट पर ममता बनर्जी का एक्शन

नई दिल्ली

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर नियंत्रण को लेकर जारी लड़ाई मंगलवार (23 जून 2026) को और तेज हो गई. पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खेमे ने दावा किया कि उसने दो दिन पहले ही नई राष्ट्रीय कार्यसमिति का गठन कर लिया था और बागी गुट द्वारा ममता बनर्जी को पार्टी अध्यक्ष पद से हटाकर समानांतर नेतृत्व की घोषणा किए जाने से कुछ घंटे पहले ही इसकी जानकारी चुनाव आयोग को भेज दी थी. इस बीच ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट ने उनके पूर्व सहयोगी और कोलकाता के पूर्व मेयर फिरहाद हकीम को सात अन्य बागी विधायकों के साथ पार्टी से सस्पेंड कर दिया.

इन नेताओं को ममता बनर्जी ने किया सस्पेंड

फिरहाद हकीम के अलावा सस्पेंड होने वाले नेताओं में जावेद अहमद खान, अरूप रॉय, रथिन घोष, बिप्लब मित्रा, सबीना यास्मीन, अरूप विश्वास और स्नेहासिस चक्रवर्ती शामिल हैं. यह कदम ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट द्वारा बागी सदस्यों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के कुछ

घंटों बाद उठाया गया, जिसमें उन पर जानबूझकर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया गया था.

विपक्ष के नेता ऋतब्रता बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी टीएमसी ने सोमवार (22 जून 2026) को एक नए नेतृत्व की घोषणा की, जिसमें विधायक अरूप रॉय को ममता बनर्जी के स्थान पर पार्टी का अध्यक्ष नामित किया गया. ममता बनर्जी ने 1998 में कांग्रेस छोड़ने के बाद तृणमूल का गठन किया था और तब से वह इस पार्टी की नेता थीं. विरोधियों ने 30 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्य समिति (एनडब्ल्यूसी) का भी ऐलान किया, साथ ही यह भी कहा कि वे चाहते हैं कि पश्चिम बंगाल की पूर्व सीएम ममता बनर्जी उनके मार्गदर्शक के रूप में काम करें।

अवैध इमारतों पर एक्शन लेने का आदेश

लखनऊ

लखनऊ की एक व्यवसायिक इमारत में सोमवार को आग लगने की घटना में जान गंवाने वाले 15 लोगों में दो व्यक्ति कानपुर के थे जो एक एनिमेशन स्टूडियो में बतौर थ्रीडी आर्टिस्ट काम करते थे। अधिकारियों के अनुसार उनकी पहचान गोविंद नगर निवासी संयम विज (28) और बर्रा निवासी सूरजभान सिंह (24) के रूप में हुई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि संयम और सूरजभान उसी इमारत में स्थित एक थ्रीडी एनिमेशन स्टूडियो में काम करते थे। दोनों सहकर्मी और करीबी दोस्त थे। दोनों ने वर्षों पहले अपने पिता को खो दिया था।

दोनों मित्र अपने-अपने परिवार का मुख्य सहारा थे। संयम के पिता

पुष्पराज सिंह का करीब 15 साल पहले निधन हुआ था, वहीं सूरजभान के पिता शिवराज सिंह का भी निधन हो चुका है। रिश्तेदारों ने बताया कि संयम पिछले तीन साल से लखनऊ में था और साप्ताहिक अवकाश पर कानपुर आता था। मंगलवार को उसे दादी के श्राद्ध कार्यक्रम के लिए घर आना था। सूरजभान के भाई सुधीर रविवार शाम को ही लखनऊ लौटा था। उन्होंने कहा कि किसी ने नहीं सोचा था कि यह उसकी आखिरी यात्रा होगी। घटना के समय उसकी मां मीरा और भाई सम्राट ऋषिकेश में थे। यह खबर मिलने के बाद वे लौट आए।

मंगलवार सुबह दोनों शवों को कानपुर लाया गया। कानपुर के पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने बताया कि वह लगातार लखनऊ पुलिस आयुक्त के संपर्क में रहे। मृतकों की पहचान होते ही वरिष्ठ अधिकारियों को पीड़ित परिवारों के घर भेजा गया। उन्होंने कहा कि कानपुर पुलिस शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ी है। संयम का अंतिम संस्कार मंगलवार सुबह कर दिया गया। सूरजभान का अंतिम संस्कार बाद में किया जाएगा। लाल ने बताया कि हादसे के बाद अवैध इमारतों, बेसमेंट और ऊपरी मंजिलों में चल रहे कोचिंग सेंटर, होटल, अस्पताल, जिम के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया गया है।

राहुल गांधी'टुकड़े-टुकड़े' ताकतों के साथ- धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पेपर लीक विवाद के बीच नीट में बड़े बदलावों की योजना बताते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर अब तक का सबसे तीखा हमला किया है। इंटरव्यू में प्रधान ने कहा कि अगले साल से नीट के कंप्यूटर-बेस्ड फॉर्मेट में बदलने की संभावना है। उन्होंने "पेपर माफि या" के खिलाफ सख़्त कार्रवाई का वादा किया और राहुल गांधी पर राजनीतिक फायदे के लिए छात्रों के बीच डर फैलाने का आरोप लगाया। प्रधान ने कहा कि विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल गांधी को सवाल पूछने का पूरा अधिकार है। लेकिन उन्हें छात्रों के मन में बेवजह डर पैदा नहीं करना

चाहिए। उन्होंने परीक्षा सुधारों, छात्रों की चिंताओं और विरोध प्रदर्शनों पर भी बात की। जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे कुछ समूहों का जिक्र करते हुए प्रधान ने कहा, "जो लोग देश को टुकड़े-टुकड़े करना चाहते हैं, वही लोग आज जंतर-मंतर पर ढोल बजा रहे हैं। (वही लोग जो देश को टुकड़ों में बांटना चाहते हैं, आज जंतर-मंतर पर ढोल बजा रहे हैं। क्या वहां कोई छात्र भी है?)

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) पेपर लीक और परीक्षा अनियमितताओं को लेकर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कई दिनों और रातों से जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रही है। मंत्री ने नागपुर के उस छात्र से जुड़े विवाद पर सबसे कड़ी आलोचना की, जिसका परीक्षा केंद्र अबू धाबी में आवंटित किया गया था। प्रधान ने दावा किया कि छात्र ने पोर्टल के जरिए खुद अबू धाबी को चुना था और यह पसंद कई बार रिकॉर्ड की गई थी। उन्होंने कहा कि बाद में ठळअ ने परिवार से संपर्क किया और छात्र को नागपुर से परीक्षा देने का मौका भी दिया। इसके बावजूद, उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने सार्वजनिक रूप से यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि यह सब साफ होने के बाद भी, राहुल गांधी ने इस मामले पर एक लंबा मैसेज पोस्ट किया। अगर राहुल गांधी में जरा भी नैतिकता और जवाबदेही बची है।

गिरधरपुर उपस्वास्थ्य केंद्र बना जर्जर : 33 साल पुरानी इमारत पशुशाला बनी, अराजकतत्वों ने किया कब्जा

अखंड भारत सन्देश

माण्डा। विकास खंड मांडा के गिरधरपुर में स्थित उपस्वास्थ्य केंद्र जर्जर हालत में होकर अपनी दयनिकता पर आंसू बहा रही है । वही लाखों की लागत से 33 साल पहले बनी यह इमारत देखरेख के अभाव में खंडहर में तब्दील हो गई है। अराजकतत्वों ने इस पर अवैध कब्जा कर इसे पशुशाला और सार्वजनिक शौचालय बना दिया है।

सात बीघे भूमि पर निर्मित

यह उपसामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गिरधरपुर तिराहा पहाड़ी पर लगभग सात बीघे भूमि पर निर्मित है। इसका शिलान्यास पूर्व प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री राजा विश्वनाथ प्रताप सिंह ने किया था। राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना के तहत 17 मार्च 1987 को तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री लोकपति त्रिपाठी की अध्यक्षता में इसका उद्घाटन हुआ था।

लगभग 33 साल पहले बनी यह इमारत तब से ही उपेक्षित है। यहां न तो कभी कोई डॉक्टर नियुक्त हुआ और न ही इसकी नियमित साफ-सफाई की गई। परिणामस्वरूप, यह स्वास्थ्य केंद्र अब पशुओं के बाड़े और लोगों के शौचालय के रूप में इस्तेमाल हो रहा है।

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि मेजा विधानसभा से कई विधायक और ग्राम प्रधान चुने गए, लेकिन किसी ने भी इस उपस्वास्थ्य केंद्र की सुध नहीं ली। उनका कहना है कि जिम्मेदार अधिकारी अभिलेखों में नाम दर्ज न होने का बहाना बनाकर अपनी जिम्मेदारी से बचते रहे हैं, जिससे अतिक्रमणकारियों का दुस्साहस बढ़ा है।इसी क्षेत्र में संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर और गौतम बुद्ध की मूर्ति स्थापना तथा पार्किंग के लिए एक हेक्टेयर भूमि स्वीकृत की गई थी। यह भूमि मुख्य रूप से 90 प्रतिशत दलित समुदाय के लोगों के लिए थी। हालांकि, आरोप है कि अन्य ग्राम सभा के लोगों से पैसे लेकर इस भूमि पर भी अवैध कब्जा करवा दिया गया है।

सरकारी भूमि व जर्जर इमारत खाली करने का आदेश जारी

मांडा के बीडीओ अमित कुमार मिश्रा ने बताया कि गिरधरपुर तिराहे पर स्थित सरकारी भूमि और जर्जर इमारत के संबंध में पिछले महीने कार्रवाई के लिए रिपोर्ट भेजी गई है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अवैध कब्जे को अतिशीघ्र हटाने और सरकारी इमारतों का पुनः निर्माण कराने के निर्देश दिए हैं।

कुछ ही दिनों तक डॉक्टरों की तैनाती रही

2005 में कुछ दिनों के लिए डॉक्टरों की नियुक्तियां रही तो पंद्रह किमी0 के मरीजों का उपचार निश्चित समय से बीमारी का इलाज हो जाया करता था। और छोटी - छोटी बीमारियों का इलाज उप स्वास्थ्य केंद्रों पर ही हो जाया करता था जिससे सी0एच0सी0 माण्डा में मरीजों का इतनी भीड़ का जमावड़ा नही होता था। आज इन उप स्वास्थ्य केंद्रों को ध्वस्त होने से लोगों को काफी परेशानिया झेलनी पड़ रही हैं।

जैसे-जैसे सरकार बदलती गई वैसे-वैसे पार्क की भूमि व उप स्वास्थ्य केन्द्रो का हाल बेहाल होता गया। तथा दूर-दरार से आ कर करोड़ों की सरकारी भूमि को अवैध ढंग से कब्जा कर रहे हैं। क्षेत्रीय लोंगो का आशय है कि आज की सूबे की सरकार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गिरधरपुर तिराहा पर स्थित उप सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का नव निर्माण कर उपचार हेतु डाक्टरों की नियुक्तियां किये जाने की मांग की गई है।

माण्डा के लोगों द्वारा जिलाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए तत्कालीन उप स्वास्थ्य केंद्र व पार्क की भूमि को अवैध कब्जा करने से रोका जाए और उसकी साफ-सफाई करवाकर उपचार हेतु डॉक्टर की नियुक्ति किये जाने की मांग की ।

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजनान्तर्गत सामुदायिक विकास केन्द्र का शिलान्यास

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजनान्तर्गत इस सामुदायिक विकास केन्द्र का शिलान्यास मा0 मंगलदेव द्विवेदी ब्लाक प्रमुख माण्डा के कर कमलों द्वारा 10 अक्टूबर 1986 को सम्पन्न हुआ। तथा शिलान्यास के समय सम्मानित गण बी0डी0ओ0 माण्डा भगवत सिंह, विधायक मेजा विश्राम दास, जिलाधिकारी पी0सी0 चतुवेर्दी आदि के कार्यकाल में स्थापित किया गया था।

लालापुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई : 'ऑपरेशन दहन' के तहत 19 किलो से अधिक गांजा किया गया नष्ट

अखंड भारत संदेश

लालापुर। थाना क्षेत्र में नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यमुनानगर जोन में पुलिस को एक बड़ी कामयाबी मिली है। नारकोटिक्स टास्क फोर्स (अपराध शाखा) और थाना लालापुर की संयुक्त पुलिस टीम ने ह्यऑपरेशन दहनह्ण के अन्तर्गत भारी मात्रा में जब्त किए गए गांजे को नष्ट कर दिया है।

9.61 लाख रुपये की कीमत का मादक पदार्थ हुआ खाक

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, मंगलवार (23 जून 2026) को कुल 19 किलोग्राम और 220 ग्राम गांजा नष्ट किया गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस जब्त किए गए गांजे की अनुमानित कीमत लगभग 9 लाख 61 हजार रुपये आंकी गई है।

यह मादक पदार्थ वर्ष 2006 से लेकर वर्ष 2022 के बीच थाना लालापुर में दर्ज कुल 14 विभिन्न मुकदमों के तहत बरामद किया गया था, जिसे कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आज पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में हुई प्रक्रिया

मादक पदार्थों के विनष्टीकरण की यह पूरी कार्रवाई नियमों के तहत उच्चाधिकारियों की निगरानी में संपन्न हुई। इस दौरान मौके पर निम्नलिखित अधिकारी और पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय, कमिश्नरेट प्रयागराज), अपर पुलिस उपायुक्त (अपराध, कमिश्नरेट प्रयागराज), सहायक पुलिस आयुक्त (बारा, कमिश्नरेट प्रयागराज), उ0नि0 सुरेश गिरी (प्रभारी, नार्कोटिक्स टास्क फोर्स, अपराध शाखा)उ0नि0 अनुभव सिंह (थानाध्यक्ष, थाना लालापुर)हे0मो0 (मालखाना) मनोज कुमार (थाना लालापुर)हे0का0 राधामोहन सिंह व का0 आदर्श रावत (थाना लालापुर)कमिश्नरेट प्रयागराज पुलिस का कहना है कि नशे के सौदागरों और अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ ह्यऑपरेशन दहनह्ण के तहत यह सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी, ताकि क्षेत्र को नशामुक्त बनाया जा सके।

बड़े हनुमान मंदिर में 5.5 क्विंटल फलों से श्रृंगार: ज्येष्ठ के अंतिम बड़े मंगल पर लेटे हनुमान मंदिर में उमड़ा भक्तों की भीड़

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। संगम नगरी में ज्येष्ठ माह के अंतिम बड़े मंगल पर बजरंगबली की भक्ति में लीन रही। शहर के प्रमुख हनुमान मंदिरों में भोर से ही दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गई। संगम तट स्थित सुप्रसिद्ध श्री बड़े हनुमान मंदिर (लेटे हनुमान जी) में विशेष धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। प्रातःकाल महंत बलबीर गिरी ने विधि-विधान से पंच द्रव्य से बजरंगबली का अभिषेक और स्नान कराया। इसके उपरांत लगभग 5.5 क्विंटल फलों से भगवान का दिव्य और आकर्षक श्रृंगार किया गया। इस श्रंगार में डेढ़ क्विटल आम, ढाई क्विंटल सेब, एक क्विंटल संतरा, एक क्विंटल अनार तथा पचास दर्जन केले सहित विभिन्न प्रकार के फलों का उपयोग हुआ। मंदिर परिसर को सुगंधित देसी और विदेशी फूलों से भी भव्य रूप से सजाया गया था। विशेष श्रंगार के उपरांत महंत बलबीर गिरी ने बजरंगबली की विशेष आरती संपन्न कराई। इसके बाद मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिए गए, जहां हजारों भक्तों ने बजरंगबली के दिव्य स्वरूप के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। मंदिर परिसर में हनुमान चालीसा और सुंदरकांड के सामूहिक पाठ से आध्यात्मिक वातावरण और अधिक भक्तिमय हो गया। महाआरती के बाद संकटमोचन को 56 भोग अर्पित करने की भी तैयारी की गई। बड़े मंगल के अवसर पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विशाल भंडारों का आयोजन किया गया। जगह-जगह श्रद्धालुओं को पूड़ी-सब्जी, हलवा, बूंदी और शीतल शर्बत का प्रसाद वितरित किया जा रहा था। भीषण गर्मी के बावजूद, आस्था का उत्साह चरम पर रहा और पूरा प्रयागराज 'जय श्रीराम' और 'जय बजरंगबली' के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा।

भरत तिवारी के हत्यारों को फांसी हो : समाजसेवी बाबा तिवारी

जंघई। बिहार के भोजपुर जनपद के ग्राम बिलोटी, थाना शाहपुर निवासी भरत तिवारी की 17 जून 2026 को हुई मौत को लेकर मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। समाजसेवी जितेंद्र बाबा तिवारी ने इस मामले की जांच कर दोषियों को फांसी की सजा दिए जाने की मांग करते हुए कहा कि आत्मसमर्पण करने के बाद भी बिहार पुलिस ने फर्जी एनकाउंटर के नाम पर दिनदहाड़े भरत तिवारी की गोली मारकर हत्या कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में मानवीय मूल्यों और उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्धारित दिशा-निदेर्शों की अनदेखी की गई। और किसी भी घायल व्यक्ति को तत्काल एम्बुलेंस अथवा उपलब्ध साधनों से नजदीकी अस्पताल पहुंचाना पुलिस और प्रशासन का नैतिक एवं कानूनी दायित्व है, लेकिन इस मामले में ऐसा नहीं किया गया। भरत तिवारी का कोई आपराधिक इतिहास नहीं था और वह दबे-कुचले लोगों की आवाज उठाने का कार्य करते थे आत्मसमर्पण करने के बावजूद उन्हें सुनियोजित तरीके से कई गोलियां मार दी गईं। घटना के कई दिन बीत जाने के बाद भी कथित रूप से जिम्मेदार पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया गया मामले को लेकर लोगों में आक्रोश व्याप्त है। भरत तिवारी की मौत की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा दोषी पाए जाने वाले पुलिसकर्मियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए, जिससे आम जनता के बीच व्याप्त असंतोष और आक्रोश समाप्त हो सके।

भरत तिवारी की हत्या हुई है, दोषी गिरफ्तार हों : गरुण पांडेय

जंघई। भरत तिवारी एनकाउंटर के विरोध में समाजसेवी प्रतापपुर विधानसभा गरुण पांडेय के नेतृत्व में उग्रसेनपुर बाजार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया एवं कैंडल मार्च निकाला गया। बिहार के आरा में भरत तिवारी एनकाउंटर को लेकर देश भर में विरोध-प्रदर्शन हो रहा है इसी को लेकर परशुराम तिराहा उग्रसेनपुर में युवा सड़कों पर उतरे और कैंडल मार्च निकाला। युवाओं ने भरत तिवारी अमर रहें के नारे लगाए और बिहार पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की इसी के साथ एनकाउंटर करने वाले पुलिसकर्मियों पर हत्या का केस दर्ज करने की मांग उठाई। भोजपुर के शाहपुर थाना क्षेत्र के बेलौटी गांव में बुधवार 17 जून को भरत तिवारी नाम के युवक का एनकाउंटर कर दिया गया था अब यह मामला लगातार तूल पकड़ रहा है इस मामले को लेकर लोगों में आक्रोश बना हुआ है। जहां एक ओर पुलिस इस कार्रवाई को मुठभेड़ बता रही है, वहीं दूसरी ओर परिजन और स्थानीय लोग इसे फर्जी एनकाउंटर बोल रहे हैं इसी को लेकर युवाओं ने कैंडल मार्च निकाला और आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ एक्शन की मांग उठाई है।

फूलपुर ब्लाक से स्थानांतरित होने पर बीडीओ एच पी वर्मा को दी गई भावभीनी विदाई

स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र भेटकर कर्मचारियों ने की उनके उज्जवल भविष्य की कामना

फूलपुर। फूलपुर विकास खण्ड के बीडीओ एच पी वर्मा का लखनऊ जनपद मे स्थानांतरण हो जाने पर मंगलवार को विकास खण्ड परिसर में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सम्मान समारोह में ब्लाक प्रमुख विपेन्द्र सिंह पटेल के साथ ही उपस्थित ब्लाक के प्रधान गण व कर्मचारियों के साथ ही अन्य जनप्रतिनिधियों ने उन्हें पुष्प गुच्छ भेटकर भावभीनी विदाई दी। सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुए ब्लाक प्रमुख विपेन्द्र सिंह पटेल ने कहा की बीडीओ एचपी वर्मा का कार्यकाल बेहद सुखद रहा। उन्होंने बेहतर तरीके से अपने कर्तब्यों का निर्वहन करते हुए अपने अधीनस्त कर्मचारियों के साथ ही आम जनता के बीच अपनी लोकप्रियता बनाई। उन्होंने बीडीओ एच पी वर्मा को अंग वस्त्र भेटकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। वरिष्ठ भाजपा नेता व फूलपुर चेयरमैन अमरनाथ यादव ने बीडीओ एच पी वर्मा को अंगवस्त्र भेट करते हुए कहा की उन्होंने बिना किसी शिकायत के फूलपुर विकास खण्ड में एक लम्बी अवधि तक अपनी सेवाएं दी जो की सराहनीय है। वही निवर्तमान खण्ड विकास अधिकारी फूलपुर एच पी वर्मा ने सभी के प्रति आभार ब्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा की फूलपुर विकास खण्ड की एक अलग स्मृतियां रहेगी। इस दौरान ग्राम पंचायत अधिकारी धीरेन्द्र कुशवाहा, हेमंत सिंह, स्मिता तृप्ति, संजय कुमार, रुचि मेहरोत्रा सहित अन्य सचिवों ने सामूहिक रूप से स्मृति चिन्ह भेट करते हुए बीडीओ एच पी वर्मा को भावभीनी विदाई दी। सम्मान समारोह को पूर्व एडीओ पंचायत गुलाब चन्द पाण्डेय, एडीओ पंचायत राजेश सिंह, ओम प्रकाश, पवन पाठक, श्यामधर यादव, आलोक गुप्ता, ब्लाक अध्यक्ष नूरूदीन हाशमी ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन सेवानिवृत जेई हौसिला प्रसाद मिश्र ने किया। कार्यक्रम के बीच भोजपुरी गायक विकास मिश्रा ने अपनी टीम के साथ सास्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर शमा को बाधे रखा। मौके पर विजय चन्द्र विश्वकर्मा, अनिल कुमार बसंत कुमार, पंधारी, राजीव कुमार, राकेश कुमार, राजकुमार, पंकज, प्रवीण, संतोष,अनिल प्रजापति, शिव कुमार सहित विकास खण्ड के समस्त अधिकारी, कर्मचारी व पंचायत कर्मी मौजूद रहे।

फूलपुर ब्लाक के नवागत बीडीओ अमित कुमार ने संभाला कार्यभार

फूलपुर। फूलपुर विकास खण्ड के नवागत खण्ड विकास अधिकारी अमित कुमार ने मंगलवार को पदभार ग्रहण कर लिया। पदभार ग्रहण कर उन्होंने कहा की सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ हर जरूरतमंद को मिले उनकी प्राथमिकता में शामिल है। फूलपुर ब्लाक के बीडीओ एच पी वर्मा का स्थानांतरण लखनऊ जनपद में हो जाने पर उन्हें फूलपुर विकास खण्ड की जिम्मेदारी मिली है। चंदौली जनपद के धानापुर विकास खण्ड से स्थानान्तरित बीडीओ अमित कुमार ने ब्लाक प्रमुख के साथ ही विकास खण्ड के कर्मचारियों से भी औपचारिक मुलाकात की।

मानवता और ईमानदारी की मिसाल बनी थानापुर पुलिस घायल युवक को लौटाए 10 हजार रुपये व सामान

सहसों। थरवई थाना क्षेत्र की पुलिस चौकी थानापुर की खाकी ने मानवता, संवेदनशीलता और ईमानदारी का परिचय देते हुए एक घायल युवक की सहायता कर लोगों का दिल जीत लिया। पुलिस के इस सराहनीय कार्य की क्षेत्र में खूब चर्चा हो रही है।

जानकारी के अनुसार जौनपुर जनपद के रघुनाथपुर गांव निवासी सतीश चंद्र मिश्रा पुत्र विनोद कुमार मिश्रा सोमवार सुबह किसी आवश्यक कार्य से प्रयागराज जा रहे थे। सहसों के पास भोपतपुर गांव के सामने उनकी बाइक अचानक सड़क के डिवाइडर से टकरा गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही थानापुर चौकी प्रभारी अमरदेव सिंह तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया तथा उसकी बाइक, बैग और अन्य सामान को सुरक्षित अपने संरक्षण में रखवा लिया। साथ ही घटना की सूचना युवक के परिजनों को दे दी गई।

मंगलवार को चौकी प्रभारी ने परिजनों को चौकी पर बुलाकर घायल युवक की बाइक, बैग, आवश्यक दस्तावेज और बैग में रखे 10 हजार रुपये सकुशल वापस सौंप दिए। अपना पूरा सामान सुरक्षित पाकर सतीश और उनके परिजनों ने थानापुर पुलिस का आभार व्यक्त किया। चौकी प्रभारी अमरदेव सिंह की इस मानवीय पहल की क्षेत्र में सराहना हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस का ऐसा संवेदनशील और जनहितैषी व्यवहार समाज में सुरक्षा और विश्वास की भावना को और मजबूत करता है।

आंजनेय डेंटल क्लिनिक में निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर, 40 मरीजों का हुआ परीक्षण

सहसों। आंजनेय डेंटल क्लिनिक सहसों में मंगलवार को निःशुल्क दंत चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के 40 दंत रोगियों का परीक्षण कर उन्हें आवश्यक उपचार, परामर्श एवं दवाइयां उपलब्ध कराई गईं।

शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. युक्ति श्रीवास्तव दंत सर्जन एवं मेडिकल ऑफिसर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोटवा एट बनी, विशिष्ट अतिथि हेमेंदु श्रीवास्तव शाखा प्रबंधक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया सहसों तथा वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुभाष चंद्र मिश्रा ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर क्लिनिक संचालिका एवं दंत सर्जन डॉ. छिप्रा मिश्रा ने मरीजों के दांतों की जांच कर उन्हें उचित उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी सलाह दी। उन्होंने कहा कि दांतों की नियमित देखभाल और समय-समय पर सफाई स्वस्थ जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। लोगों को दिन में दो बार ब्रश करने तथा विशेष रूप से रात में सोने से पहले दांतों की अच्छी तरह सफाई करने की आदत अपनानी चाहिए। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण टूथपेस्ट के उपयोग और किसी भी दंत समस्या होने पर विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेने की सलाह दी। इस अवसर पर संदीप द्विवेदी, क्रांति गुरु गणेश वल्लभ, कवि धनंजय शाश्वत, संतोष सिंह, विनय तिवारी, बबऊ यादव, जगत नारायण मिश्रा, कृष्ण बल्लभ द्विवेदी, केडी मिश्रा, शेषधर मिश्रा, अवधेश पांडे, अनुज कुमार मिश्रा, चिंतामणि शुक्ला, विजय कुमार तिवारी, प्रकाश चंद्र केसरवानी, बबलू मिश्रा सहित आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

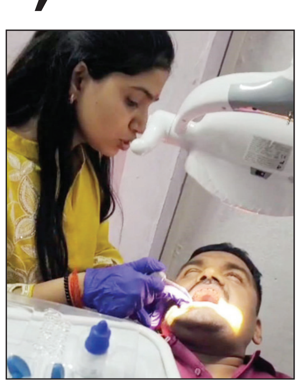

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण का सूचित किया जाता है कि मैं संदीप कुशवाहा पुत्र राम लखन निवासी मोहिउद्दीनपुर देवछार पोस्ट सराय अकिल तहसील मंझनपुर जनपद कौशांबी का रहने वाला हूं मेरे पैन कार्ड व आधार कार्ड में पिता का नाम राम लखन अंकित हो गया है जो गलत है मेरे ड्राइविंग लाइसेंस वा शैक्षिक प्रमाण पत्र में पिता का नाम राम लखन कुशवाहा अंकित है जो सही है राम लखन और राम लखन कुशवाहा दोनों एक ही व्यक्ति हैं मेरे पिताजी को उक्त दोनों नाम से अगर कोई छति होती है तो उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी मेरी होगी। **संदीप कुशवाहा पुत्र राम लखन कुशवाहा मोहिउद्दीनपुर देव छार पोस्ट सराय अकिल तहसील मंझनपुर जनपद कौशांबी।**

गौशालाओं में चारे, पानी और चिकित्सा व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग के सदस्य रमाकांत उपाध्याय ने मंगलवार को विकास भवन स्थित यमुना सभागार में आयोजित गो संरक्षण एवं अनुश्रवण समिति की बैठक में गौशालाओं की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी गौआश्रय स्थलों पर गौवंशों के लिए चारा, हरा चारा, पेयजल, प्रकाश और स्वच्छता की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

बैठक में उन्होंने गौवंशों की शत-प्रतिशत ईयर टैगिंग कराने, नियमित टीकाकरण सुनिश्चित करने तथा पशु चिकित्साधिकारियों को समय-समय पर गौशालाओं का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बीमार और कमजोर गौवंशों के लिए अलग व्यवस्था कर उनका समुचित उपचार कराया जाए।

सदस्य ने गौशालाओं में हरे चारे की उपलब्धता बढ़ाने पर जोर देते हुए बड़े क्षेत्रफल में चारे की बुआई कराने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में 60 हेक्टेयर भूमि पर हरा चारा लगाया गया है तथा 72 हेक्टेयर क्षेत्र में और बुआई की जाएगी। इस पर उन्होंने नेपियर घास की खेती को बढ़ावा देने की बात कही।

मानसून को देखते हुए उन्होंने गौशालाओं में जलभराव और कीचड़ से बचाव के लिए विशेष इंतजाम करने के निर्देश दिए। क्षतिग्रस्त टीन शेडों की शीघ्र मरम्मत कराने तथा गौवंशों के रहने के स्थानों पर पक्की ईंटें बिछाने या ऊंचे प्लेटफॉर्म बनाने को कहा, ताकि बारिश के दौरान पशुओं को परेशानी न हो।

उन्होंने कहा कि गौशालाओं में निर्धारित गुणवत्ता वाले पशुआहार का ही उपयोग किया जाए। साथ ही सहभागिता योजना के तहत अधिक से अधिक गौवंशों को गोद दिलाने के प्रयास तेज किए जाएं। ग्राम प्रधानों और सचिवों को समय पर फंड की मांग भेजने तथा भुगतान प्रक्रिया में देरी न होने देने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में गौशालाओं से निकलने वाले गोबर और गौमूत्र के बेहतर उपयोग पर भी चर्चा हुई। सदस्य ने स्वयं सहायता समूहों और सामाजिक संगठनों की मदद से नवाचार अपनाकर गौशालाओं की आय बढ़ाने की कार्ययोजना तैयार करने को कहा।

उन्होंने क्षमता के अनुरूप ही गौवंश रखने, नंदियों के लिए अलग व्यवस्था करने तथा चाका ब्लॉक में नए गौआश्रय स्थल के लिए भूमि चिन्हित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा पानी की टंकियों की दीवारों पर चुने की पुताई कराने और गौवंशों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने पर भी जोर दिया।

बैठक में अपर निदेशक ग्रेड-2 पशुपालन विभाग अनिल कुमार, जिला विकास अधिकारी जी.पी. कुशवाहा, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. शिवनाथ यादव समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जनसुनवाई में नगर आयुक्त ने सुनीं समस्याएं अधिकारियों को दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। नगर निगम मुख्यालय में मंगलवार को आयोजित सम्भव जनसुनवाई कार्यक्रम में नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा ने नागरिकों और जनप्रतिनिधियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। इनमें अतिक्रमण, नामांतरण, जन्म प्रमाणपत्र में संशोधन, नाला-नाली मरम्मत, सड़क एवं गली निर्माण, सीवर व्यवस्था और पेयजल आपूर्ति से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रहीं। नगर आयुक्त ने प्रत्येक प्रकरण का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पेयजल आपूर्ति, नालों की सफाई और जल निकासी से जुड़ी समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी शिकायतों का निर्धारित समयसीमा के भीतर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न वार्डों के पार्षदों ने भी अपने क्षेत्रों की समस्याएं नगर आयुक्त के समक्ष रखीं। इसके बाद नगर आयुक्त ने जोनल कार्यालयों के पार्षदों के साथ बैठक कर शहर में पेयजल व्यवस्था, सार्वजनिक शौचालय, यूरिनल, चबूतरे, सार्वजनिक शेड और अन्य नागरिक सुविधाओं के संबंध में सुझाव लिए। बैठक में शहर के वीआईपी क्षेत्रों में त्वरित कार्रवाई दल (क्यूआरटी) गठित करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। इस दल का उद्देश्य साफ-सफाई, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था, मलबा हटाने और अतिक्रमण जैसी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना होगा।

नगर आयुक्त ने अधिकारियों से कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करें तथा नागरिक सुविधाओं से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करें। बैठक में अपर नगर आयुक्त अरविंद कुमार राय, अपर नगर आयुक्त शादाब असलम, मुख्य अभियंता संजय कटियार, विद्युत विभाग के संजय ममंगई, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी, जनसंपर्क अधिकारी दिनेश चंद्र संचान सहित सभी जोनल अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकारी अस्पतालों में बढ़ाएं प्रसव, निजी अस्पताल भेजने वाली आशाओं पर होगी कार्रवाई: डीएम

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में संगम सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए डीएम ने सरकारी अस्पतालों की अपेक्षा निजी अस्पतालों में अधिक प्रसव होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने निर्देश दिया कि निष्क्रिय आशाओं तथा गर्भवती महिलाओं को प्रसव के लिए निजी अस्पतालों में भेजने वाली आशाओं की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी ने जननी सुरक्षा योजना के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाली आशा कार्यकताओं और एएनएम को अगली बैठक में सम्मानित करने के निर्देश दिए। वहीं जिला महिला चिकित्सालय में पिछले वर्ष की तुलना में प्रसव संख्या में कमी आने पर उन्होंने प्रमुख चिकित्सा अधीक्षिका से कारणों की समीक्षा करने को कहा। साथ ही अस्पताल स्टाफ को गर्भवती महिलाओं और उनके परिजनों के प्रति शिष्ट व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करने का निर्देश दिया। जननी सुरक्षा योजना के लाभार्थियों को भुगतान की समीक्षा के दौरान जिला महिला चिकित्सालय में कार्यरत संविदा अकाउंटेंट की लापरवाही पर नाराजगी व्यक्त करते हुए चेतावनी पत्र जारी करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि कार्य में सुधार नहीं होने पर उसकी संविदा सेवा समाप्त करने की कार्रवाई की जाए। मातृ मृत्यु मामलों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी चिकित्सा अधीक्षकों को शत-प्रतिशत रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने तथा समयबद्ध समीक्षा कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। ई-कवच पोर्टल पर गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण में खराब प्रदर्शन करने वाले चाका, सोरांव, बहरिया, भगवतपुर और फूलपुर ब्लॉकों के चिकित्सा अधीक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए। आयुष्मान भारत गोल्डन कार्ड निर्माण की समीक्षा के दौरान शहरी क्षेत्र, कौंधियारा, उरुवा, प्रतापपुर, सैदाबाद, बहादुरपुर, बहरिया, करछना और मेजा ब्लॉकों की धीमी प्रगति पर डीएम ने असंतोष जताया। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक आईडी से प्रतिदिन कम से कम एक गोल्डन कार्ड बनाया जाए।

क्रियायोग सर्वधर्म मंदिर हॉल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित हुआ विशेष कार्यक्रम

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर महात्मा गांधी मार्ग पर स्थित कुंभ नगर क्रियायोग सर्वधर्म मंदिर हॉल में एक विशेष सायंकालीन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में योग,(क्रियायोग) आध्यात्मिकता एवं सनातन जीवन मूल्यों पर सारगर्भित विचार व्यक्त किए गए।इस अवसर पर सत्याश्रम के माननीय जस्टिस डी.पी. सिंह तथा इलाहाबाद हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश का विशेष संदेश उपस्थित जनसमूह को सुनाया गया। अपने संदेश में उन्होंने क्रियायोग को केवल शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि आत्मिक उन्नति और मानवता के कल्याण का माध्यम बताया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गुरुजी स्वामी श्री योगी सत्यम जी महाराज ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य और सत्य जैसे सनातन मूल्यों के साथ स्वयं को जोड़ने का दिन है। उन्होंने कहा कि क्रियायोग मनुष्य को ईश्वर एवं संपूर्ण सृष्टि के साथ एकत्व का अनुभव कराता है तथा माया पर विजय प्राप्त करने की प्रेरणा देता है।

स्वामी श्री योगी सत्यम जी महाराज ने आगे कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस क्रियायोग और सनातन धर्म के सार्वभौमिक संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का अवसर है। क्रियायोग के माध्यम से व्यक्ति शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन प्राप्त कर सकता है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, क्रियायोग साधकों एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। उपस्थित लोगों ने क्रियायोग एवं आध्यात्मिक जीवन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे मानव कल्याण का प्रभावी माध्यम बताया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों के अलावा कनाडा, सिंगापुर, संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्राजील, फ्रांस आदि देशों से आए हुए साधकों ने क्रियायोग कार्यक्रम में भाग लिया।

रोड मार्किंग कर रहे चिल्ला के युवक की बाराबंकी हाइवे पर सड़क हादसे में मौत, परिवार में कोहराम

लालापुर। थाना क्षेत्र के चिल्ला गांव में उस समय मातम पसर गया, जब मंगलवार सुबह बाराबंकी हाईवे पर सड़क हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत की खबर घर पहुंची। मृतक युवक हाईवे पर रोड मार्किंग (सड़क पर पट्टी बनाने) का काम कर रहा था, इसी दौरान तेज रफ्तार कार ने उसे अपनी चपेट में ले लिया।

जानकारी के मुताबिक, लालापुर के चिल्ला गांव निवासी अजायब लाल यादव (35 वर्ष) पुत्र बृजलाल यादव पिछले दो महीनों से रोड मार्किंग के कार्य से जुड़ा हुआ था। मंगलवार की सुबह वह बाराबंकी हाईवे पर सड़क पर मार्किंग का काम कर रहा था। इसी दौरान एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार डिजायर गाड़ी ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि अजायब लाल की मौके पर ही मौत हो गई।

जैसे ही हादसे की सूचना अजायब लाल के पैतृक गांव चिल्ला पहुंची, परिजनों में चीख-पुकार मच गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक अपने पीछे पत्नी, तीन बेटियां और एक मासूम बेटे समेत पूरे परिवार को रोता-बिलखता छोड़ गया है। कमाऊ सदस्य की अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वैधानिक कार्यवाही और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद, मृतक का शव देर रात तक चिल्ला गांव पहुंचने की संभावना जताई गई है। घटना के बाद से पूरे गांव में शोक की लहर है।

गंगा किनारे कटान रोकने के कार्यों का डीएम ने किया निरीक्षण, जुलाई तक पूरा करने के निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने मंगलवार को मेजा तहसील क्षेत्र में गंगा नदी के दाहिने तट पर कटान रोकने के लिए कराए जा रहे कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम डेंगुरपुर, चौखटा नरवर और नरवर उपरहार समेत विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर बाढ़ एवं कटान निरोधक परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग की ओर से कराए जा रहे बोल्डर क्रेटिंग, जाली बिछाने और स्लोप पिचिंग जैसे कार्यों को देखा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ और नदी कटान से प्रभावित क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए चल रहे सभी कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयसीमा में पूरे किए जाएं।

जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से कहा कि मानसून को देखते हुए परियोजना में तेजी लाई जाए। इसके लिए श्रमिकों और आवश्यक संसाधनों की संख्या बढ़ाकर कार्यों को समय पर पूरा कराया जाए। उन्होंने जुलाई तक सभी प्रमुख कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने विशेष रूप से बोल्डर क्रेटिंग के कार्य में तेजी लाने पर जोर देते हुए इसे इसी माह के भीतर पूरा कराने को कहा। साथ ही निर्माण सामग्री की गुणवत्ता और तकनीकी मानकों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी नीलम उपाध्याय, बाढ़ खंड के अधिशासी अभियंता तथा अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

संगम नगरी में बड़े हनुमान मंदिर कॉरिडोर निर्माण अंतिम चरण में, गर्भगृह निर्माण भी शुरू

प्रयागराज। संगम नगरी में प्रसिद्ध बड़े हनुमान मंदिर में चल रहा कॉरिडोर निर्माण कार्य अब अंतिम चरण में पहुंच गया है। इसके साथ ही मंदिर के गर्भगृह के निर्माण का कार्य भी शुरू कर दिया गया है। मंदिर प्रशासन के अनुसार परिसर में विकास और सौंदर्यीकरण के कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। मंदिर के महंत बलबीर गिरि महाराज ने बताया कि मंदिर परिसर के चारों ओर नए निर्माण कार्य तेजी से चल रहे हैं। निर्माण कार्य के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दर्शन व्यवस्था में कुछ बदलाव किए गए हैं। दर्शनार्थियों के लिए टीन शेड के माध्यम से आवागमन की व्यवस्था की गई है, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। महंत ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे निर्धारित मार्ग से सीधे मंदिर पहुंचकर दर्शन करें और उसी रास्ते से बाहर निकलें। साथ ही सभी भक्त सुरक्षा नियमों का पालन करें और प्रशासन का सहयोग करें। करीब दो वर्षों से चल रहा कॉरिडोर निर्माण कार्य अब लगभग पूरा होने की स्थिति में है। इसके पूर्ण होने के बाद श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और मंदिर परिसर का स्वरूप भी अधिक भव्य एवं आकर्षक दिखाई देगा।

वरिष्ठ भाजपा नेता संजय श्रीवास्तव हुए चोटिल

कई गणमान्य लोगों ने हाल-चाल लेकर शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

नैनी। नैनी क्षेत्र के पूर्व कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख वरिष्ठ भाजपा नेता संजय श्रीवास्तव मंगलवार को चोटिल हो गए जिससे उनके हाथ में फैक्चर हो गया हम सब उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। वरिष्ठ पार्षद मयंक यादव, भाजपा नेता प्रदीप तिवारी, सुधीर प्रजापति, सरदार पतविन्दर सिंह, उमेश सेन, नीरज शर्मा, समाजसेवी राजेश साहू, विनोद केसरवानी, टुनटुन पांडे कई गणमान्य लोगों ने उनका हाल-चाल लेकर शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

औद्योगिक क्षेत्र में मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला को ट्रक ने कुचला, उपचार के दौरान मौत

नैनी। नैनी औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत नेवादा समोगर गांव में मॉर्निंग वॉक पर निकली एक महिला को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल महिला की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। परिजनों ने ट्रक चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नेवादा समोगर विशम्भरपुर निवासी राजकुमार प्रजापति ने थाना औद्योगिक क्षेत्र में दी गई तहरीर में बताया कि उनकी भाभी अनारकली प्रजापति (59) पत्नी रामजी प्रजापति, 21 जून की सुबह रोज की तरह मॉर्निंग वॉक के लिए निकली थीं। आरोप है कि पेट्रोल पंप मिजार्पुर रोड नेवादा समोगर के सामने एक तेज रफ्तार ट्रक ने ओवरटेक करते समय वाहन को सड़क की पटरी से नीचे उतार दिया और अनारकली प्रजापति को कुचल दिया। दुर्घटना में महिला के दोनों पैर गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय प्रयागराज में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद परिजनों में शोक व्याप्त है। परिजनों ने पुलिस से ट्रक चालक के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

जिला ओलंपिक संघ प्रयागराज की आवश्यक बैठक संपन्न

बैठक अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर प्रयागराज ओलंपिक गेम्स को कराने को लेकर हुई विस्तृत चर्चा

अखंड भारत संदेश

जिला ओलम्पिक बैठक में आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा करते पदाधिकारीगण

मेजा। प्रयागराज के स्थानीय कुलभास्कर आश्रम स्नातकोत्तर महाविद्यालय के शारिरिक शिक्षा विभाग में मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर जिला ओलंपिक संघ प्रयागराज के पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिला ओलंपिक संघ प्रयागराज के अध्यक्ष एवं अधिवक्ता सुशील मिश्रा ने जिले के समस्त खिलाडियों प्रशिक्षकों एवं खेल प्रेमियों को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। बैठक में इस वर्ष प्रयागराज ओलंपिक गेम्स 2026 के आयोजन को लेकर, ओलंपिक भावना,विश्व बंधुत्व और खेलों के माध्यम से एकता को बढ़ावा देने पर विस्तृत चर्चा हुई। उक्त अवसर पर संघ के अध्यक्ष के अतिरिक्त वरिष्ठ उपाध्यक्ष नारायण गोपाल, उपाध्यक्ष प्रो.पवन कुमार पचौरी ने भी अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस की बधाइयां दी। सभी सदस्यों ने ओलंपिक अभियान को प्रयागराज जनपद में और अधिक मजबूती से फैलाने तथा विभिन्न ओलंपिक संबंधित आयोजनों को आयोजित करने की दिशा में सकारात्मक चर्चा की। एसोसिएशन के सचिव आरपी शुक्ला ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस प्रतिवर्ष 23 जून को मनाया जाता है। यह दिन 1894 में पेरिस के सोरबोन विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति की स्थापना की याद में मनाया जाता है, जिसने आधुनिक ओलंपिक खेलों की नींव रखी। उन्होंने कहा कि ओलंपिक रिंग पाँच महाद्वीपों की एकता का प्रतीक हैं और खेलों के माध्यम से विश्व बंधुत्व को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं को खेलों की ओर प्रेरित करने, जिला स्तर पर ओलंपिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने और स्थानीय स्तर पर खेल प्रतिभाओं को निखारने का संकल्प दोहराया। प्रयागराज जिला ओलंपिक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष एवं कुलभास्कर आश्रम स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शारीरिक शिक्षा एवं योग विभाग के अध्यक्ष प्रो.पवन कुमार पचौरी ने अपने वक्तव्य में कहा कि 1948 में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस मनाया गया था। तब से यह दिन विश्व स्तर पर खेल भावना, स्वास्थ्य, फिटनेस और ओलंपिक मूल्यों, उत्कृष्टता, मित्रता तथा सम्मान को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। महाविद्यालय के प्रबंधक चौधरी जीतेन्द्र नाथ सिंह एवं प्राचार्य गीतांजलि मौर्य ने बैठक की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की और भविष्य में ऐसे आयोजनों के लिए पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। बैठक ओलंपिक आंदोलन को जन-जन तक पहुँचाने की दिशा में एक सार्थक कदम साबित होगी। बैठक के अंत में संघ के अध्यक्ष सुशील मिश्रा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि प्रयागराज में ओलंपिक संस्कृति को मजबूत करने के लिए जल्द ही विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर प्रयागराज ओलंपिक गेम्स 2026 का बड़ा आयोजन होगा। इस मौके पर एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष डॉ.जय प्रकाश शर्मा, नेशनल रेफरी अल्ताफ अली, प्रेम कुमार पांडेय (चेयरमैन कबड्डी संघ), धर्मेंद्र मिश्रा, पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी जॉर्डन एच.नाथ, रवि तिवारी, कमलेश कुमार, बृजेश सिंह, नेहा पांडेय, अतुल कुमार, मुकेश शुक्ला, विनोद कुमार, मनीष कुमार, सर्वेश सिंह तथा राकेश कुमार आदि के अलावा कई खेल संघों के पदाधिकारीगण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

नहर के किनारे मिला अधेड़ का शव परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

दुकान से दोस्तों के साथ निकाला था अधेड़, सुबह हुई घटना की जानकारी

अखंड भारत संदेश

पट्टी। दुकान से दोस्तों के साथ निकले बीज भंडार संचालक का शव नहर के किनारे पाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के बेटे ने हत्या का आरोप लगाते हुए नामजद प्रार्थना पत्र दिया है।

आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के अकारीपुर तिवरान गांव निवासी ओम प्रकाश पटेल (45) दयालगंज बाजार में बीज भंडार की दुकान चलाता था। सोमवार की शाम उसकी दुकान पर धरौली गांव के लोग आए और उसे अपने साथ लेकर चले गए। बेटी रश्मि ने घर से फोन किया तो विलंब से घर पहुंचने की बात कह कर बीज भंडार संचालक ने फोन काट दिया। काफी रात बीत जाने के बाद मोबाइल की घंटी तो बज रही थी पर फोन उठना बंद हो गया और वह घर नहीं लौटा। परेशान परिजनों ने पुलिस की मदद ली। रात में पुलिस तलाश की पर उसका कहीं पता नहीं चल सका। मंगलवार की भोर में पुलिस ने घर वालों को अचेत अवस्था में ओम प्रकाश दयालगंज से थोड़ा आगे नहर में पड़े होने की सूचना दी। मौके पर पहुंचे घर वाले ने देखा कि ओमप्रकाश की मौत हो चुकी थी। उसके चेहरे व शरीर के अन्य अंगों पर चोट के गंभीर निशान भी दिखाई दिए। मामले में मृतक के बेटे शिवम यादव ने साथ में रहे एक व्यक्ति को नामजद करते हुए हत्या करने का आरोप लगाते हुए थाने पर प्रार्थना पत्र दिया है। प्रार्थना पत्र में लिखा है कि घटना स्थल से कुछ दूरी पर साथ में गए धरौली गांव के बृजेश यादव भी बेहोशी की हालत में सड़क के किनारे गिरे पड़े मिले हैं जिन्हें इलाज के लिए ले जाया गया है। पुलिस ने मंगलवार की दोपहर शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला मेडिकल कॉलेज प्रतापगढ़ भेज दिया। दुकान संचालक की मौत से बेटे शिवम पत्नी रामरती देवी बेटी रश्मि समेत परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

बाबा घुइसरनाथ धाम में अखण्ड संगीतमयी सुंदरकांड में उमड़े श्रद्धालु

प्रतापगढ़। पौराणिक स्थली बाबा घुइसरनाथ धाम मे ज्येष्ठ के मंगलवार को अखण्ड संगीतमयी सुंदरकांड में श्रद्धालुओ की भीड़ उमड़ी दिखी। भगवान बजरंग बली के जयघोष के साथ सात वर्षो से लगातार हो रहे सुंदरकांड में श्रद्धालु भगवान के जयघोष में मगन दिखे। आयोजन समिति के संयोजक बाबा घुइसरनाथ धाम सुंदरकांड आयोजन समिति के अध्यक्ष पं0 सुधीर आजाद के साथ श्रद्धालुओं ने भगवान बजरंगबली का भव्य श्रृंगार किया। इसके बाद भण्डारे में देर शाम तक श्रद्धालुओं ने भगवान का प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में आयोजन समिति द्वारा राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ को लेकर देवाधिदेव महादेव से प्रार्थना भी की गयी। इस मौके पर रवि शुक्ला, अभिषेक शुक्ला, उमाशंकर शुक्ला, माधव सिंह, विवेक सिंह, विनय सिंह, डब्बू मिश्र, दीनानाथ तिवारी, गोलू रजक, विनोद गुप्ता, सूर्या साहू, बाल गोविंद साहू, संतोष तिवारी, आशीष वैश्य, विष्णु सिंह ने भण्डारे का सफल प्रबन्धन किया।

न्यूज झरोखा

दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

कुंडा। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत महेशगंज पुलिस ने दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट से जुड़े मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी बृजनन्दन राय और क्षेत्राधिकारी सदर करिश्मा गुप्ता के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी संदीप तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई की। उ0नि0 विजेन्द्र कुमार यादव, का. सुनील कुमार और का. अनिल यादव की टीम ने थाना क्षेत्र के बहोरिकपुर चैराहे के पास से आरोपी को दबोचा। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मो0 वारिस पुत्र नूर मुहम्मद, निवासी अहलादगंज घोसियाना, थाना महेशगंज, उम्र करीब 20 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी महेशगंज में वांछित था। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

दो जिंदा बम लेकर घूम रहे युवक को पुलिस ने दबोचा

पट्टी। अपराध की दुनिया में कदम बढ़ा रहे बदमाशों पर पट्टी पुलिस लगातार शिकंजा कस रही है। मंगलवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ऐसे युवक को गिरफ्तार किया, जिसके पास से दो जिंदा अवैध देशी बम बरामद हुए। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस के मुताबिक थाना पट्टी क्षेत्र के कोहराव गांव स्थित नहर पुलिया के पास संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई और घेराबंदी कर युवक को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से दो जिंदा देशी बम बरामद हुए। गिरफ्तार आरोपी की पहचान ऋषभ शुक्ला पुत्र सच्चेलाल शुक्ला (21 वर्ष), निवासी सैफाबाद थाना आसपुर देवसरा, प्रतापगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना पट्टी में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार ऋषभ शुक्ला का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ मारपीट, धमकी, हत्या के प्रयास, एससीध्एसटी एक्ट और गैंगस्टर एक्ट जैसे गंभीर मामलों में मुकदमे दर्ज हैं। वर्ष 2025 में उसके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई की जा चुकी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में अपराधियों और संदिग्ध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।इनकी रही अहम भूमिका गिरफ्तारी करने वाली टीम में उप निरीक्षक शुभम सिंह, आरक्षी विपिन यादव और रिक्रूट कांस्टेबल अभिषेक यादव थाना पट्टी शामिल रहे।

दहेज के लिए विवाहिता को पीटकर घर से निकाला

पट्टी। दहेज उत्पीड़न का एक मामला सामने आया है, जिसमें तीन बच्चों की मां ने ससुराल पक्ष पर मारपीट कर घर से निकालने का आरोप लगाया है। पीड़िता के पिता ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। जनपद जौनपुर के मुंगराबादशाहपुर निवासी मटोल गौतम ने आरोप लगाया कि उन्होंने अपनी बेटी रोशनी की शादी करीब 15 वर्ष पूर्व हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार दान-दहेज देकर पट्टी कोतवाली क्षेत्र के पुरानीपट्टी गांव निवासी गौरी शंकर के साथ की थी। शादी के बाद शुरूआती दिनों में सब कुछ ठीक चलता रहा। इस दौरान रोशनी के तीन बच्चे हुए, जिनमें बड़ी बेटी रागनी, छोटी बेटी रंगोली और बेटा दानिया शामिल हैं।आरोप है कि समय बीतने के साथ ही ससुराल पक्ष के लोग अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर रोशनी को प्रताड़ित करने लगे। पीड़िता का कहना है कि आए दिन उसके साथ मारपीट और मानसिक उत्पीड़न किया जाता था। आरोप है कि मंगलवार सुबह करीब 10 बजे ससुराल वालों ने उसके साथ मारपीट की और उसे घर से निकाल दिया। घटना की जानकारी रोशनी ने अपने मायके वालों को दी, जिसके बाद पिता उसे लेकर पट्टी कोतवाली पहुंचे और दहेज उत्पीड़न समेत अन्य आरोपों को लेकर पुलिस को शिकायती पत्र सौंपा।इस संबंध में पट्टी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक आनंदपाल सिंह ने बताया कि पीड़िता की ओर से शिकायती पत्र प्राप्त हुआ है। मामले की जांच कराई जा रही है, जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भैसाना में हुई भ्रष्टाचार की शिकायत, डीपीआरओ ने तलब किया रिकार्ड

कुंडा। ग्राम पंचायत में विकास कार्यों के नाम पर हुए भ्रष्टाचार की शिकायत ने प्रशासनिक गलियारों में हलचल मचा दी है। मामले की शिकायत मुख्य विकास अधिकारी तक पहुंचने के बाद जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए जांच प्रक्रिया तेज कर दी है। जिले से विकास कार्यो के अभिलेख तलब कर लिए गए हैं। बाबागंज विकासखंड की भैसाना ग्राम पंचायत निवासी प्रभाकर तिवारी पुत्र स्वर्गीय छोटे लाल तिवारी ने सीडीओ प्रतापगढ़ से शिकायत कर आरोप लगाया है कि ग्राम पंचायत में वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के दौरान विकास कार्यों में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं और वित्तीय गड़बड़ियां की गई हैं। शिकायत में पंचायत सचिवों एवं ग्राम प्रधान की मिलीभगत से सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप लगाया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीडीओ ने जांच की जिम्मेदारी जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) को सौंप दी। डीपीआरओ ने बिना समय गंवाए बाबागंज के एडीओ पंचायत केवला प्रसाद को निर्देश जारी कर संबंधित ग्राम पंचायत की डायरेक्टरी ऑफ वर्क, बिल-वाउचर, माप पुस्तिकाएं एवं अन्य पत्रावलियां तत्काल प्रस्तुत करने को कहा है। जिला स्तर से आदेश प्राप्त होते ही एडीओ पंचायत ने भी सक्रियता दिखाते हुए पंचायत सचिव पूनम शुक्ला को तीन दिवस के भीतर सभी अभिलेख उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है, ताकि शिकायत में लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष एवं तथ्यात्मक जांच कराई जा सके। सूत्रों की मानें तो जिले से जांच संबंधी पत्र ब्लॉक मुख्यालय पहुंचते ही मामले में संलिप्त बताए जा रहे कर्मियों और जिम्मेदारों में बेचैनी बढ़ गई है।

गैंगस्टर का आरोपी धराया, गया जेल

प्रतापगढ़। कोतवाली लालगंज पुलिस ने गैंगेस्टर समेत दो दर्जन से अधिक मुकदमों में वांछित चल रहे आरोपी को मंगलवार को धर दबोचा। कोतवाली के एसएसआई अरूण कुमार सिंह पुलिस बल के साथ गश्त पर निकले थे। इसी दौरान मुखबिर से वांछित अजय वर्मा पुत्र गंगा प्रसाद निवासी चैखड़ के घर के समीप मौजूद होने की सूचना मिली। एसएसआई ने घेराबंदी करके आरोपी अजय वर्मा को धर दबोचा। एसएसआई ने बताया कि गिरफ्तार किये गये आरोपी के खिलाफ गैंगेस्टर एक्ट, चोरी, हत्या का प्रयास, आर्म्स एक्ट, धोखाधडी समेत पचीस मुकदमे दर्ज हैं। पकड़े गये आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

मजदूर से पुलिस पर अवैध वसूली का आरोप डीएम से शिकायत

बेलखरनाथ धाम। मेले से घर लौटे एक गरीब मजदूर से पुलिस ने अवैध वसूली की मांग की है। रूपए न देने पर फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी भी दी गई है। इस मामले की शिकायत पीड़ित ने जिलाधिकारी से करते हुए कार्रवाई की मांग की है।

पट्टी कोतवाली क्षेत्र के रमईपुर दिशिनी गांव निवासी अनिल कुमार वर्मा पुत्र ओम प्रकाश वर्मा ने डीएम को दिए गए शिकायती प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि वह में रोजी-रोटी के सिलसिले में छत्तीसगढ़ के भिलाई में एक मेले में गया था।वह 16 जून को परिवार के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए घर आया है।आरोप है कि उसी दिन करीब शाम 6 बजे दो पुलिसकर्मी बाइक से उनके घर पहुंचे और उन्हें जबरन थाने ले गए।थाने में मारपीट कर 40, हजार रुपये की मांग करते हुए फर्जी मुकदमेष्में फंसाने की धमकी दी गई।इस संबंध में पीड़ित ने जिला अधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर कारवाई की मांग की है।आरोप है कि इस दौरान पुलिस ने उससे 25 हजार रुपये लेकर छोड़ दिया।आरोप है कि अगले दिन प्रदीप कुमार नाम के एक पुलिसकर्मी पीड़ित के घर पहुंचा और बाकी के 15 हजार रुपये मांगने लगा। रूपए न देने पर जेल भेजने की धमकी दी। इस मामले संबंध में पुलिस क्षेत्राधिकारी पट्टी मनोज कुमार रघुवंशी ने बताया कि इस तरह का मामला मेरे संज्ञान में नहीं है।

लालगंज के कोचिंग संस्थानों में चलाया गया चेकिंग अभियान

प्रतापगढ़। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बीते सोमवार को एक इमारत में चल रहे कोचिंग संस्थान में हुए अग्निकाण्ड के बाद यहां लालगंज में भी मंगलवार को सतर्कता नजर आयी। लालगंज अग्निशमन केंद्र प्रभारी सुरेन्द्र मिश्रा के नेतृत्व में टीम द्वारा कस्बा स्थित कोचिंग संस्थानो मे चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान कोचिंग संस्थानो मे फायर एनओसी और उसकी एक्सपायरी तिथि आदि मानकों को जांचा परखा गया। अग्निशमन प्रभारी सुरेन्द्र मिश्रा ने बताया कि कस्बे में चेकिंग के दौरान कई संस्थानों में एनओसी, फायरकिट आदि की व्यवस्थाएं सही पायी गयी। कोचिंग संस्थानों में मानक के अनुरूप व्यवस्थाओं में कमी मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होने बताया कि जांच कर आगे भी जारी रहेगी।

टावर पर चढ़ी यवती को पुलिस ने सूझबूझ से उतारा

अखंड भारत संदेश

कुंडा। हथिगवां पुलिस की तत्परता और सूझबूझ से सोमवार को एक युवती की जान बच गई। बीएसएनएल टावर पर चढ़ी युवती को महिला पुलिसकर्मियों ने घंटों समझाबुझाकर सकुशल नीचे उतार लिया।

जानकारी के अनुसार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम मलाका रज्जाकपुर के बीएसएनएल टावर पर एक युवती चढ़ गई है। सूचना मिलते ही राखी सिंह, प्रिया मौर्या और सीमा गुप्ता तुरंत मौके पर पहुंचीं। युवती की मानसिक स्थिति को देखते हुए पुलिस टीम ने धैर्य से काम लिया। राखी सिंह ने खुद मोर्चा संभालकर युवती से लगातार संवाद किया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे भावनात्मक रूप से भरोसे में लिया गया। काफी देर बाद युवती को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया। युवती की पहचान मीनू निर्मल पुत्री स्व. इंद्रजीत, निवासी नरसिंहपुर, थाना हथिगवां के रूप में हुई है। राखी सिंह की तहरीर पर थाना हथिगवां में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने युवती का मेडिकल परीक्षण कराते हुए न्यायालय में पेश किया। पुलिस प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि मानसिक तनाव या पारिवारिक विवाद की स्थिति में कानून हाथ में न लें और पुलिस की मदद लें। स्थानीय लोगों ने पुलिस के इस मानवीय प्रयास की सराहना की है।

संकट मोचन धाम में उतारी गई हनुमान जी की आरती, एसपी समेत श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। कलेक्ट्रेट स्थित संकट मोचन धाम मे ज्येष्ठ माह के आखिरी मंगलवार को सामूहिक सुंदरकांड एवं भण्डारे का आयोजन हुआ। अधिवक्ताओं तथा हनुमान जी के भक्तों द्वारा भगवान बजरंग बली की भव्य आरती उतारी गयी। वहीं भण्डारे में अधिवक्ताओं व कर्मचारियों व अधिकारियों तथा वादकारियों ने भगवान का प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन समिति की ओर से जूनियर बार एसोसिएसन पुरातन के पूर्व महामंत्री जयप्रकाश मिश्र, महामंत्री कौशलेंद्र त्रिपाठी, आल इण्डिया रूरल बार एसोसिएसन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल, प्रदेश अध्यक्ष मुक्तेश्वरनाथ ओझा मुक्कू तथा जिलाध्यक्ष अंजनी सिंह बाबा ने एसपी दीपक भूकर व अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी बृजनंदन राय, अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी आलोक कुमार को भगवान बजरंगबली का चित्र, गदा व पटिटका भेंटकर सम्मानित किया। एसपी दीपक भूकर ने भगवान बजरंगबली की झांकी का दर्शन पूजन कर अधिवक्ताओ के साथ पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद ग्रहण किया। धार्मिक आयोजन में भगवान बजरंगबली का जयघोष भी गुंजायमान दिखा। कार्यक्रम आयोजन समिति से जुड़े अधिवक्ता विवेक त्रिपाठी, अनुपम श्रीवास्तव, प्रशांत दुबे, शक्ति सिंह, प्रीतम शुक्ला, अश्विनी सिंह, प्रवीन चतुर्वेदी, सतेन्द्र मिश्रा, अनुज सिंह, शिवनायक सिंह, आशीष श्रीवास्तव, दिवाकर सिंह, दीपक उपाध्याय, अनिल ओझा, दिग्विजय सिंह, रजनीश मिश्र, अरूण सिंह, शिवम सिंह ने भण्डारे का सफल प्रबंधन किया। आयोजन समिति द्वारा वकील परिषद के अध्यक्ष इन्दुभाल मिश्र, पूर्व अध्यक्ष रोहित शुक्ला, पूर्व अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह, विनय प्रताप सिंह, सीओ प्रशांत सिंह हुडडा, एसओसी अरविंद द्विवेदी, चकबंदी अधिकारी सत्यप्रकाश द्विवेदी, आईजी स्टाम्प यदवेन्द्र द्विवेदी, विश्व हिन्दू परिषद महासभा के मण्डल प्रभारी अनूप सिंह, लालगंज संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजेशचंद्र तिवारी, रूरल बार के राष्ट्रीय महासचिव अनिल त्रिपाठी महेश को भी पटिटका एवं हनुमान जी का चित्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

महिला से छेडछाड़ को लेकर एसपी से शिकायत

लालगंज, प्रतापगढ़। बदनियती से छेडछाड़ व जानलेवा धमकी के आरोप को लेकर पीड़िता ने एसपी से न्याय की गुहार लगायी है। लालगंज कोतवाली के एक गांव की पीड़िता का आरोप है कि बीती इक्कीस जून की शाम करीब चार बजे वह खेत में बकरी चराने गयी थी। इसी बीच गांव के एक व्यक्ति ने बदनियती से उसे पकड़कर उसके साथ छेडछाड करते हुए अभद्रता की। पीड़िता ने किसी तरह आरोपी के चंगुल से खुद को छुड़ाकर जान बचाई। पीड़िता का यह भी आरोप है कि आरोपी ने गाली देते हुए जानलेवा धमकी भी दी। पीडिता ने घटना की तहरीर कोतवाली लालगंज पुलिस को दी लेकिन कार्रवाई नही हुई। परेशान पीड़िता ने एसपी से न्याय की गुहार लगायी है। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

योग शरीर, मन और आत्मा को संतुलित करने की एक संपूर्ण जीवन-पद्धति है : डा. जे. पी.

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (पखवाड़ा) के अंतर्गत 21 जून से अक्षत फाउंडेशन भारत के संस्थापक व अध्यक्ष अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ जे पी वर्मा के द्वारा प्रतिदिन सुबह अर्थो के मरीजों का योग से किया जा रहा इलाज। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली, अनियमित खान-पान, शारीरिक श्रम की कमी, तनाव और बढ़ती उम्र के कारण जोड़ों का दर्द, गठिया, घुटनों में जकड़न, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सर्वाइकल, सायटिका तथा अर्थराइटिस जैसी समस्याएँ बहुत तेजी से बढ़ रही हैं। पहले ये रोग अधिकतर बुजुर्गों में पाए जाते थे, लेकिन आज युवा वर्ग भी इन समस्याओं से अछूता नहीं है।ऐसी स्थिति में योग एक अत्यंत प्रभावी, सुरक्षित, प्राकृतिक और दीर्घकालिक समाधान के रूप में सामने आता है।योग केवल शरीर को मोड़ने-तोड़ने का अभ्यास नहीं है, बल्कि यह शरीर, मन और आत्मा को संतुलित करने की एक संपूर्ण जीवन-पद्धति है। योगाभ्यास में प्रमुख रूप से सुमित द्विवेदी, प्रदीप पांडेय, महेश गुप्ता, आशीष, उपेंद्र पटेल, मोनू, उपेंद्र सिंह आदि सहित मौजूद रहे।

विवाहिता के साथ मारपीट में पति समेत पांच पर केस दर्ज

प्रतापगढ़। विवाहिता के साथ हुई मारपीट की घटना को लेकर पुलिस ने पति समेत पांच आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लीलापुर थाना क्षेत्र के राघवपुर गांव की रिशा वर्मा पत्नी केशव वर्मा ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि तीन वर्ष पूर्व उसका विवाह गांव के केशव वर्मा के साथ हुआ। पीड़िता का आरोप है कि बीती इक्कीस जून को सुबह करीब दस बजे रंजिशन उसके पति केशव, सास रामकली, ससुर हरीलाल वर्मा, देवर अनुज व ननद रोशनी ने एकराय होकर उसे मारापीटा। आरोपियो ने गाली व जान से मारने की धमकी देते हुए पीडिता को घर से भगा दिया। प्रभारी निरीक्षक अमला सिंह का कहना है कि जांच के बाद पांच आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

सुलह के बाद ससुराल लौटी महिला से मारपीट

पट्टी। कोतवाली क्षेत्र के वेसार गांव में एक विवाहिता ने पति समेत ससुराल पक्ष के लोगों पर मारपीट करने और गला दबाकर जान से मारने के प्रयास का आरोप लगाया है। पीड़िता उमा देवी पत्नी अनिल कुमार निवासी पूरे लुटई गांव, थाना सराय ममरेज, जनपद प्रयागराज ने पट्टी कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।उमा देवी की शादी करीब पांच वर्ष पूर्व पट्टी कोतवाली क्षेत्र के वेसार गांव निवासी अनिल कुमार के साथ हुई थी। पीड़िता का आरोप है कि शादी के कुछ दिनों बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग उसे प्रताड़ित करने लगे थे, जिसके बाद वह अपने मायके पूरे लुटई गांव चली गई थी। मामले को लेकर उसने न्यायालय में मुकदमा भी दायर किया था, जो अभी विचाराधीन है।पीड़िता के अनुसार बाद में सुलह-समझौते के बाद ससुराल पक्ष के लोग उसे वापस घर लेकर आए। आरोप है कि मंगलवार को उसके साथ मारपीट की गई और गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया गया। किसी तरह बचकर उसने घटना की जानकारी मायके वालों को दी।सूचना मिलने पर मायके से पहुंचे चाचा फूलचंद पटेल घायल उमा देवी को लेकर पट्टी कोतवाली पहुंचे, जहां पुलिस ने उसका मेडिकल परीक्षण कराया। मंगलवार शाम करीब पांच बजे पीड़िता ने पुलिस को तहरीर दी। इस संबंध में कोतवाल आनंदपाल सिंह ने बताया कि घायल महिला का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। तहरीर के आधार पर मामले की जांच कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

सीएनजी आधारित शवदाह गृह की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

लालगंज। सीएनजी आधारित शवदाह गृह की मांग को लेकर उप जिलाधिकारी लालगंज को ज्ञापन सौंपा गया है। श्रीरामफेर सेवा ट्रस्ट के संचालक रामसमुज ने एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा को सौपे गये ज्ञापन के जरिए ग्राम पंचायतों में अथवा ब्लाक स्तरीय सीएनजी आधारित शवदाह गृह की मांग उठाई है। ज्ञापन के जरिए कहा गया है कि सीएनजी आधारित शवदाह गृह से पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिल सकेगी। वही अंतिम संस्कार के खर्च व समय में भी कमी आएगी। एसडीएम ने मांग को उच्चाधिकारियों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत किसान गोष्ठी आयोजित

कुंडा। विकास खंड क्षेत्र के चैसा गांव में मंगलवार को कृषि विभाग द्वारा विकसित कृषि संकल्प अभियान एवं खेत बचाओ अभियान के तहत किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में किसानों को आधुनिक खेती, पशुपालन तथा कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। गोष्ठी को संबोधित करते हुए कृषि विज्ञान केंद्र ऐंठू के पशु चिकित्सा विशेषज्ञ डा. प्रसेनजीत ने किसानों को पशुओं के बेहतर रखरखाव, रोगों की रोकथाम, समय-समय पर टीकाकरण तथा पशुपालन से आय बढ़ाने के उपायों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने किसानों से पशुओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया।राजकीय कृषि बीज भंडार के प्रभारी कुमार गौरव ने किसानों को उन्नत बीजों के उपयोग, फसल उत्पादन बढ़ाने की तकनीकों तथा कृषि विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने किसानों को वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने के लिए प्रेरित किया। वहीं बीटीएम इम्तियाज अहमद अंसारी ने कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, अनुदान कार्यक्रमों एवं किसानों को मिलने वाले लाभों की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक किसानों से योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। गोष्ठी में भाजपा किसान मोर्चा जिला कार्य समिति सदस्य सर्वज्ञ पांडेय, प्रदीप विश्वकर्मा प्रधान, किसान संदीप सिंह, अमरनाथ विश्वकर्मा, रामसूरत विश्वकर्मा, जीत लाल, बृजराज सिंह, राम किशुन, शब्बीर अहमद, सुखदेव प्रजापति, ज्ञाना देवी, गयादीन, छोटेलाल, ऋषिकांत, सालिकराम, रामसखी, देवी प्रसाद, दिलीप विश्वकर्मा, रंजीत विश्वकर्मा, राज सहित बड़ी संख्या में

फांसी के फंदे पर लटका मिला नव विवाहित महिला का शव

अखंड भारत संदेश

मायका पक्ष ने ससुरालियों के ऊपर लगाया दहेज हत्या का आरोप

कौशाम्बी। पिपरी थाना क्षेत्र के चायल चौकी अंतर्गत मुरादपुर गांव में एक नवविवाहित महिला का शव कच्चे घर के अंदर धन्नी के सहारे प्लास्टिक की डोरी से लटकता हुआ मिला। महिला का शव फांसी के फंदे पर लटकने की खबर क्षेत्र में आग की तरह फैल गई। जानकारी मिलते ही मौके पर मायका पक्ष और लोगों की भारी संख्या में भीड़ जुट गई। लोग आपस में तरह-तरह की चर्चा कर रहे थे हालांकि मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा पोस्टमार्टम के बाद स्पष्ट होगा। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पिपरी पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया और सभी पहलुओं पर गहनता पूर्वक बिंदुवार तरीके से जाँच में जुट गई। इसी थाना क्षेत्र के लालापुर गांव निवासी प्रमेश की पुत्री की शादी दो साल पहले मुरादपुर गांव के सूरज के साथ हुई थी। मृतक महिला के मायका पक्ष का आरोप है कि दहेज के रूप में पचास हजार रुपए नगद और एक मोटर साईकिल की डिमांड पूरी न होने के कारण ससुरालियों ने मिलकर महिला की हत्या कर दी और उसके बाद आत्म हत्या का रूप देने के लिए फांसी के फंदे पर टांगा गया है। मृतक महिला का भाई अरविन्द तहरीर देकर कार्यवाही की मांग किया है। इस मामले में पुलिस का कहना है कि मौत का कारण क्या है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट होगा फिर भी बिंदुवार तरीके से जांच की जा रही है।

एसडीएम के पेशकार से परेशान अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्य का किया बहिष्कार

कौशांबी। जनपद मुख्यालय मंझनपुर की तहसील में उप जिला मजिस्ट्रेट की अदालत में पेशकार के पद पर कमलेश कुमार की तैनाती है लेकिन कमलेश कुमार के कार्यो से फरियादी से लेकर तहसील के अधिवक्ता परेशान हो गए हैं मुकदमे की सुनवाई के दौरान पत्रावली में तारीख देना व अन्य कार्यों में उप जिला मजिस्ट्रेट का पेशकार अधिवक्ताओं और फरियादियों को परेशान करता है जिससे परेशान होकर मंगलवार को तहसील के अधिवक्ताओं ने संघ के अध्यक्ष नरेंद्र प्रसाद पांडे की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की बैठक में निर्णय लिया गया है कि जब तक पेशकार कमलेश बाबू के कार्यों में सुधार नहीं होता है या उनका स्थानांतरण नहीं किया जाता है तब तक तहसील के अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे अधिवक्ताओं ने बताया कि सुबह से शाम तक हो जाने के बाद उप जिला मजिस्ट्रेट के न्यायालय के पेशकार कमलेश बाबू का इंतजार करना पड़ता है वह अक्सर अपनी सीट छोड़कर गायब रहते हैं जिससे जहां एक और न्यायिक कार्य ठीक से नहीं हो पा रहा है वहीं फरियादी परेशान रहते हैं विरोध प्रदर्शन करने वालों में दर्जनों अधिवक्ता शामिल रहे।

कई दिनों से जला ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया

करारी कौशांबी। मंझनपुर तहसील क्षेत्र के मीरापुर गांव में सत्यनारायण पुत्र शीतल के घर के पास लगा 25 केवीए का ट्रांसफार्मर आकशीय बिजली के चलते जल गया था धीरे-धीरे कई दिन बीत गए हैं मामले की शिकायत विद्युत विभाग के अधिकारियों से सत्यनारायण ने की थी लेकिन जला हुआ ट्रांसफार्मर नहीं बदल गया है जिससे धान की रोपाई बाधित हो रही है और किसान परेशान हैं गांव के लोगों ने जल्द ट्रांसफार्मर बदले जाने की मांग की है।

डीएम ने बाढ़ के दृष्टिगत संबंधित अधिकारियों के साथ की वर्चुअल बैठक एवं तैयारियों की समीक्षा

अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं/ तैयारियां समय से सुनिश्चित कराने के दिए निर्देश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल संभावित बाढ़ के दृष्टिगत संबंधित अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक कर अब तक की गई तैयारियों की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों से कहा कि सौंपे गए दायित्वों/कार्यों को समयबद्ध पूर्ण करा लिया जाए। उन्होंने जिला पूर्ति अधिकारी से खाद्य सामग्री का टेंडर एवं मुख्य पशु चिकित्साधिकारी से भूसा का टेंडर की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि सभी आवश्यक कार्यवाही समयबद्ध सुनिश्चित करा लिया जाए। उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों से कहा कि शेल्टर होम का भ्रमण कर रूट देख लिया जाए। कम्युनिकेशन प्लान तैयार कर लिया जाए। आपदा मित्र का भी सहयोग लिया जाए। गोताखोरों के साथ बैठक कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कर लिया जाए। लाइफ जैकेट का वितरण सुनिश्चित कर लिया जाए। इसके साथ ही उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों से कहा कि कंट्रोल रूम सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं/तैयारियां समय से सुनिश्चित करा लिया जाए।

फोटो खींचकर बाइक का ऑनलाइन चालान कर वीरता दिखा रही है यातायात पुलिस

अखंड भारत संदेश

जिले के विभिन्न सड़कों पर 8000 से अधिक विक्रम ऑटो सीएनजी अप्पे से 300 से 500 रुपए महीने की होती है वसूली

कौशांबी। जिले की यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो गई है। जगह-जगह पर जाम लगता है जब कि यातायात व्यवस्था सुचारु करने के लिए जिले के विभिन्न चौराहा पर कई दर्जन होमगार्ड और पुलिस के जवानों की ड्यूटी लगाई गई है लेकिन होमगार्ड के जवान और पुलिस यातायात व्यवस्था को सुचारु करने में सफल नहीं दिखाई पड़ रही है। पूरे जिले के कस्बे बाजार में विक्रम, ऑटो, सीएनजी, एवं अप्पे चालकों का आतंक व्याप्त है। बिना लाइसेंस के ओवरलोड सवारी लेकर गलत स्थान पर पार्किंग करके विक्रम ऑटो सीएनजी अप्पे चालक व्यवस्था को चौपट कर रहे हैं लेकिन जिले के विभिन्न चौराहे कस्बे से चलने वाले लगभग 8000 विक्रम, ऑटो, सीएनजी एवं अप्पे पर यातायात पुलिस की कार्यवाही नहीं दिखाई पड़ रही है। पूरे दिन सड़कों पर निकलने वाले बाइक की फोटो खींचकर ऑनलाइन चालान कर यातायात पुलिस वीरता दिखा रही है। सूत्रों की माने तो पूरे जिले में संचालित ऑटो, सीएनजी, विक्रम एवं अप्पे से ?300 महीने से ?500 महीने तक की वदी के नाम पर वसूली खुले आम हो रही है जो जन-जन की जुबान पर है। वसूली के चलते यातायात पुलिस विक्रम, ऑटो, सीएनजी और अप्पे चालकों के ओवरलोड सवारी लेकर चलने से बीच सड़क पर पूरे दिन सवारी भरने के गुनाहों को माफ कर देती है। जनपद मुख्यालय सहित जिले के विभिन्न बाजार चौराहे पर आड़े तिरछे विक्रम ऑटो सीएनजी अप्पे खड़ी कर सवारी भरने के बाद उनके गुनाह माफ कर दिए जाते हैं। बिना लाइसेंस के चालक विक्रम ऑटो सीएनजी अप्पे सड़क पर निर्धारित गति से तेज स्पीड में वाहनों को दौड़ा रहे हैं जो प्रतिदिन दुर्घटना का कारण बन रहे हैं लेकिन उनके गुनाह माफ है। इतना ही नहीं जनपद मुख्यालय मंझनपुर से भरवारी मूरतगंज पूरामुफ़्ती होकर चलने वाले प्राइवेट बस को सरकार ने परमिट नहीं दिया है। मंझनपुर से इलाहाबाद की सड़क पर प्राइवेट बसों के संचालन का परमिट पूरी तरह से सरकार ने प्रतिबंधित कर दिया है लेकिन उसके बाद इस सड़क पर अवैध तरीके से 30 बस प्रतिदिन तीन चक्कर सड़कों पर दौड़ रही है। अवैध तरीके से सड़कों पर दौड़ने वाली 30 बस पर यातायात पुलिस की कार्यवाही नहीं दिखाई पड़ रही है लेकिन बाइक की फोटो खींचकर आन लाइन चालान कर पूरी वीरता यातायात पुलिस दिखाती है। बाइक का ऑनलाइन चालान कर यातायात पुलिस ने इस तरह से वीरता दिखाई जैसे वह दुश्मन देश से जंग जीत कर आ रही हो इतना ही नहीं जिले में 10000 से अधिक बिना परमिट के ट्रैक्टर की ट्रालियां सड़क पर ओवरलोड बालू लेकर दौड़ रही है। बताया जाता है कि इनसे 3000 महीने एंट्री के नाम पर यातायात पुलिस को मिलते हैं जिससे 10000 ओवरलोड बिना परमिट के ट्रैक्टरों पर भी यातायात पुलिस की कार्यवाही नहीं होती है। इतना ही नहीं कई हजार ट्रक और डंपर सड़कों पर ओवरलोड बालू लेकर दौड़ रहे हैं लेकिन इन वाहनों के भी संचालन पर रोक लगाने का प्रयास यातायात पुलिस द्वारा नहीं किया जा रहा है। जब कभी अधिकारियों का कठोर निर्देश मिला तो औपचारिकता निभाने के लिए कुछ वाहनों का चालान कर पूरी वसूली पर पर्दा डालने का प्रयास होता है जिससे यातायात पुलिस की वीरता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। यातायात संचालन को सुचारु न कर पाने वाले यातायात निरीक्षक के कारनामे पर यदि पुलिस अधिकारियों ने जांच कराई तो अवैध वसूली के इस बड़े खेल का भंडाफोड़ होगा।

मुहर्रम के त्यौहार को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस अधीक्षक ने किया पैदल गस्त

अखंड भारत संदेश

कोखराज थाना क्षेत्र के कई गांव में किया गया पैदल मार्च कड़ी सुरक्षा व्यवस्था का कराया गया एहसास, मोहर्रम के त्योहार पर पूरी तरह से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस लगातार सतकर्ता दृष्टि बनाए हुए हैं

कोखराज कौशांबी। मुहर्रम त्योहार पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस अधीक्षक ने पैदल मार्च निकाल कर सतकर्ता के साथ भृमण किया गया और कई गाँव में पैदल मार्च कर लोगों को सुरक्षा व्यवस्था का एहसास कराया गया पुलिस अधीक्षक ने भ्रमण कर कानून व्यवस्था के साथ साथ सुरक्षा का एहसास कराते हुए कहा कि आगामी मोहर्रम के त्योहार के जुलूस को लेकर सतकर्ता बरती जा रही हैं कोखराज थाना क्षेत्र के रूप नारायण पुर सैलाबी,सीहोरी, बरी पुर ,राला,मलाक भायल उलाचू पुर भरवारी आदि जगहों में पैदल मार्च किया गया मौके में सिराथू सीओ सतेंद्र तिवारी,व एसओ कोखराज चन्द्र भूषण मौर्य ने मंगलवार को कोखराज थाने के क्षेत्रों में भृमण कर सभी धर्म समुदाय के लोगों से मुलाकात के उपरांत शांतिपूर्ण ढंग से जुलूस निकालने के लिए कहा मुहर्रम त्यौहार के जुलूस में आने वाली समस्याओं की जानकारी कमेटी के लोगों से देने को कहा जुलूस के रास्तों में आने वाली समस्याओं के बारे में पल पल की जानकारी देते रहे। सीओ सिराथू ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सभी ताजिया कमेटी के अध्यक्ष को अपने अपने लोगों को विना किसी विवाद के त्योहार व जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से मनाए जाने की अपील की और सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि त्योहार में अराजकता व अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्यवाही करने को कहा कोखराज एसओ चन्द्र भूषण ने ताजिया दारो से कहा कि किसी भी प्रकार की कोई सूचना मिलते ही तुरन्त अपने थाने को जानकारी दे।अराजकता करने वालों पर कठोर कार्यवाही की जाएगी मोहर्रम के त्योहार पर पूरी तरह से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस अधीक्षक के द्वारा लगातार सतकर्ता दृष्टि बनाए हुए हैं।

मारपीट के मामले में पीड़ित ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

कौशाम्बी। सराय अकिल थाना क्षेत्र के सुरसेना गांव में मुहर्रम के दौरान हुई मारपीट के मामले में पीड़ित पक्ष ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है।पीड़ित का आरोप है कि उसकी माता को गंभीर चोटें आई हैं,लेकिन पुलिस ने मामले को हल्की धाराओं में दर्ज कर उचित कार्रवाई नहीं की।पीड़ित साहब जादे पुत्र स्वगीय अनीश अहमद निवासी ग्राम सुरसेना के अनुसार, 21 जून 2026 की रात करीब 11 बजे वह मुहर्रम कार्यक्रम से लौटकर घर जा रहा था। आरोप है कि रास्ते में गांव के कुछ लोगों ने उसे रोक लिया और पुरानी बातों को लेकर विवाद शुरू हो गया। इसके बाद आरोपियों ने कथित रूप से लाठी-डंडों से हमला कर दिया।पीड़ित का कहना है कि शोर सुनकर उसकी माता सन्नो बेगम मौके पर पहुंचीं तो हमलावरों ने उनके साथ भी मारपीट की,जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई और वह बेहोश होकर गिर गईं।घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।शिकायत में बताया गया है कि घायल महिला को पहले स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल और बाद में प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। वर्तमान में उनका इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है और उनकी स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है।पीड़ित ने आरोप लगाया है कि घटना के बाद सराय अकिल थाने में शिकायत देने के बावजूद पुलिस ने उसकी मूल तहरीर पर मुकदमा दर्ज नहीं किया।आरोप है कि पुलिस ने अपने अनुसार तहरीर लिखवाकर साधारण धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया तथा मुकदमे की प्रति भी उपलब्ध नहीं कराई गई। साथ ही गंभीर चोटों के संबंध में आवश्यक चिकित्सीय परीक्षण और सीटी स्कैन भी नहीं कराया गया।मामले को लेकर पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को प्राथर्ना पत्र देकर निष्पक्ष जांच,गंभीर धाराओं में कार्रवाई तथा आरोपियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कदम उठाने की मांग की है।

पुलिस अधीक्षक ने की जनसुनवाई

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक सत्य नारायण प्रजापत द्वार पुलिस कार्यालय में जन सुनवाई की गई। पुलिस अधीक्षक द्वारा एक-एक फरियादी की बात धैर्य से सुना गया। जमीन कब्जा, मारपीट, धोखाधड़ी, गुमशुदगी, महिला संबंधी अपराध और पुलिसिया व्यवहार से जुड़ी शिकायतों पर तत्काल संज्ञान लिया। एसपी ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य है कि पीड़ित को थाने का चक्कर न काटना पड़े। हर शिकायत का समयसीमा के भीतर निस्तारण हो। सभी क्षेत्राधिकारी और थानाध्यक्षों को निर्देश दिए कि तुरंत रजिस्ट्रेशन शिकायत मिलते ही कम्प्यूटर पोर्टल और थाने के रजिस्टर में दर्ज किया जाए। निष्पक्ष जांच और दबाव में आए बिना साक्ष्य के आधार पर जांच पूरी की जाए।समयबद्ध निस्तारण हो छोटी शिकायत सात दिन, गंभीर मामले 15 दिन में निस्तारित हों। फीडबैक अनिवार्य हो निस्तारण के बाद फरियादी को एसएमएस /कॉल से सूचना दी जाए। पुलिस अधीक्षक ने चेतावनी दी कि फरियादी को भटकाने, टालमटोल करने या जांच में लापरवाही करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। कई शिकायतों को एसपी ने संबंधित सीओ और एसओ को फोन पर ट्रांसफर कर त्वरित कार्रवाई करने को कहा गया। कुछ मामलों में मौके पर ही समाधान मिल गया। फरियादियों ने एसपी के इस पहल की सराहना की। एक वृद्ध फरियादी ने कहा साहब ने हमारी बात सरलता पूर्वक सुनी और तुरंत फोन करके इंसाफ का भरोसा दिया।

सीडीओ ने की जिला उद्योग बन्धु समिति एवं जिला व्यापार बन्धु समिति की बैठक

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी की अध्यक्षता में उदयन सभागार में जिला उद्योग बन्धु समिति एवं जिला व्यापार बन्धु समिति की बैठक संपन्न हुई। मुख्य विकास अधिकारी ने उद्यमियों/ व्यापारियों की समस्याओं को सुना एवं संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए। बैठक में उपायुक्त उद्योग ने बताया कि विगत माह निवेश मित्र पोर्टल पर कुल 300 प्रकरण प्राप्त हुए, जिसमें 235 प्रकरण निस्तारित हो चुके हैं एवं 31 प्रकरण विभिन्न विभागों के स्तर पर लंबित हैं, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को लंबित प्रकरणों को समयबद्ध निस्तारित करने के निर्देश दिए।मुख्य विकास अधिकारी ने सी.एम. युवा योजना के अंतर्गत विभिन्न बैंकों में लंबित ऋण आवेदनों की बैंकवार समीक्षा के दौरान ऋण आवेदन, बैंकों में लंबित पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए सभी बैंकर्स को लंबित ऋण आवेदनों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने एम.ओ.यू.दाखिल निवेशकों की समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारी को शीघ्र समस्या निस्तारित करने के भी निर्देश दिए जिला व्यापार बन्धु समिति की बैठक के दौरान बताया गया कि मंडी समिति,ओसा में धमर्कांटा लगाए जाने के लिए निविदा प्राप्त हो चुकी है, अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। बैठक में प्रभास गिरी प्रवेश द्वार पुनः बनाए जाने के प्रकरण पर बताया गया कि आगणन तैयार कर लिया गया है, शीघ्र ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। बैठक में भरवारी बस स्टॉप को आरंभ कराए जाने के प्रकरण पर बताया गया कि अभी बस स्टॉप में कुछ जनसुविधाओं से संबंधित कार्य कराया जाना शेष है, शीघ्र ही कार्य पूर्ण कराकर बस स्टॉप चालू करा दिया जाएगा। बैठक में अजुहा कस्बे में उप डाकघर खोले जाने के प्रकरण पर बताया गया कि फीजिबिलिटी रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। बैठक में उपायुक्त उद्योग अशोक कुमार एवं उपायुक्त राज्यकर राजेश कुमार मौर्य सहित अन्य संबंधित अधिकारी गण तथा उद्यमी/ व्यापारीगण-रमेश अग्रहरि, प्रवेश केसरवानी, अरुण केसरवानी, पुष्पेंद्र केसरवानी आदि उपस्थित रहे।

न्यूज झरोखा

अहमदपुर पावन के पास रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का रक्त रंजित शव

कौशाम्बी। प्रयागराज जनपद के पुरामुफ्ती थाना क्षेत्र में दिनांक 23.06.2026 को समय करीब 2.53 बजे भोर जरिए दूरभाष पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि एक अज्ञात व्यक्ति जिसकी उम्र करीब 27 वर्ष है अहमदपुर पावन के पास रेलवे ट्रैक पर पोल नम्बर 294/9 पर ट्रेन से कट गया है जिससे उसकी मौत हो गई है । सूचना पर उ0नि0 राहुल चौधरी को अवगत कराया गया एवं उ0नि0 राहुल चौधरी मय हमराह पुलिस बल के मौके पर पहुँचकर शव को रेलवे पटरी से हटवाकर शिनाख्त कराने का काफी प्रयास किया परन्तु काफी देर तक ज्ञात नही हो सका। जामा तलाशी से किसी प्रकार की कोई वस्तु बरामद नही हुई। उक्त शव के सम्बन्ध में मेमो प्राप्त होने पर पंचायतनामा एवं अग्रिम विधिक कार्यवाही अमल में लायी गई ट्रेनो का परिचालन सुचारू रूप से जारी है एवं कानून व्यवस्था सम्बन्धी किसी प्रकारी की कोई समस्या नही है।थानाध्यक्ष पुरामुफ्ती अविनाश सिंह ने बताया कि यदि युवक के शव की पहचान किसी को होती है तो मोबाइल नंबर 94544 03767 पर सूचना दे सकते हैं। युवक की मौत कैसे हुई है यह रहस्य बना हुआ है युवक की मौत दुर्घटना है या आत्महत्या है या फिर किसी ने हत्या करके लाश को ठिकाने लगाया है यह जांच का विषय है देर शाम युवक की पहचान महमूदपुर मनौरी निवासी नंदू के रूप में हुई है युवक की मौत की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया है और रोते बिलखते परिवार के लोग पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गए हैं बताया जाता है कि युवक मंदबुद्धि था जिससे परेशान रहता था।

बाइक चोरी करते तहसील में पकड़ा गया चोर

कौशांबी। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्र में भीड़भाड़ के स्थान से आए दिन बाइक की चोरी हो जाती है और चोरी होने के बाद बाइक के मालिक परेशान हो जाते हैं पुलिस में सूचना देने के बाद भी बाइक चोरी की घटनाओं का खुलासा नहीं हो पांता है मंगलवार को सिराथू तहसील परिसर में एक व्यक्ति बाइक चोरी करके ले जा रहा था लोगों ने उसे चोरी की बाइक ले जाते हुए देख लिया और उसको पकड़ लिया चोर के पकड़े जाने के बाद मौके पर तमाम वकील कमर्चारी और फरियादी पहुंच गए बाइक चोरी कर-के ले जा रहे चोर से भीड़ ने पूछताछ किया लेकिन वह बहाने बाजी करता रहा तमाम प्रयास के बाद भी उसने अपना नाम और पता भीड़ को नहीं बताया है जब लोगों ने कहा कि तुम्हें पुलिस को दे देंगे तो बड़े विनम्र भाव से उसने कहा कि पुलिस को दे दो मामला नियट जाएगा जिससे एहसास होता है की बाइक चोर गिरोह का पुलिस के साथ अच्छे संबंध है बाइक चोरी करने वाले लोगों को पुलिस का तनिक भी भय नहीं है भीड़भाड़ के स्थान से बाइक चोरी करके पेशेवर चोर फरार हो जाते हैं जिले में आए दिन बाइक चोरी की घटनाएं होती है जिला अस्पताल से लेकर तहसील और जनपद मुख्यालय के चौराहा के विभिन्न स्थानों से पूर्व के समय में बाइक चोरी हो चुकी है जिनका खुलासा नहीं हुआ है।

सड़क दुर्घटना में मृतक के घर पहुंचे पूर्व सांसद शैलेन्द्र कुमार

भरवारी कौशाम्बी। सड़क दुर्घटना में मृतक व्यक्ति के परिजनों से मिलने पूर्व सांसद शैलेंद्र कुमार उनके घर पहुंचे हैं और दुख व्यक्त करते हुए मृतक परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिया है।विकास खण्ड क्षेत्र कौशाम्बी के ग्राम पंचायत कनैली निवासी स्वगीय सुमन विश्वकर्मा की बीते दिन सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। मृतक के घर पहुंचकर पूर्व सांसद शैलेन्द्र कुमार परिजनों के बीच शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया गया और हर सुख दुख की घड़ी में साथ खड़े रहने का आश्वासन भी दिया गया। इस मौके पर बहादुर सरोज राजेश विश्वकर्मा गुलशन तिवारी विकास दुबे सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

प्रदेश में आईजीआरएस निस्तारण में प्रथम स्थान पर कौशाम्बी

कौशाम्बी। प्रदेश में आईजीआरएस शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में कौशाम्बी ने पूरे उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि पर पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण ने क्षेत्राधिकारी मंझनपुर शिवांक सिंह, आईजीआरएस प्रभारी एवं उनकी टीम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

सुबह टहलने निकले वृद्ध व्यक्ति को चार पहिया वाहन ने मारी टक्कर

भरवारी कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के भरवारी चौकी अंतर्गत सैंता निवासी केशन लाल उम्र लगभग 70 वर्ष मंगलवार की सुबह टहलने को निकले थे तभी पीछे से तेज गति से आ रही चार पहिया वाहन ने जोरदार टक्कर मार जिससे वृद्ध व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल वृद्ध व्यक्ति को जिला चिकित्सालय मंझनपुर भेजा गया।अत्यधिक गंभीर घायल होने के कारण प्रयागराज के स्वरूप रानी मेडिकल कॉलेज भेजा गया जहां स्थिति काफी नाजुक बनी हुई है।बताया जा रहा है कि केशन लाल पूर्व में रेलवे विभाग में अपनी सेवा दे चुके हैं। चार पहिया वाहन टक्कर मारकर भागने में सफल हुआ। पुलिस सीसीटीवी फूटेज के माध्यम से जांच में जुटी है।

सदस्य, उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग का जनपद भ्रमण कार्यक्रम

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग सदस्य रमाकांत उपाध्याय दिनांक 23 जून,2026 को सायं 06 बजे जनपद कौशांबी पहुंचकर गौशालाओं का निरीक्षण करेंगे सदस्य जी दिनांक 24 जून,2026 को पूर्वाहन 9:30 बजे जनपद कौशांबी की गौशालाओं का निरीक्षण करेंगे। तत्पश्चात मध्यान्ह 12:30 बजे उदयन सभागार में प्रेस वार्ता करेंगे। माननीय सदस्य जी अपराह्न 01 बजे उदयन सभागार में गो संरक्षण एवं अनुश्रवण समिति के अधिकारियों/पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे।

हरिद्वार में सम्पन्न हुए तीन दिवसीय चिंतन शिविर से लौटने के पश्चात जिलाध्यक्ष ने किया पदाधिकारियों को सम्मानित

कौशाम्बी। भारतीय किसान यूनियन भानु संगठन द्वारा दिनाँक 13,14,15 जून 2026 को हरिद्वार में आयोजित हुए तीन दिवसीय चिंतन शिविर में कौशाम्बी जिले से सैकड़ो किसान शामिल हुए थे। हरिद्वार से सकुशल संगठन के किसानों के लौटने बाद जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने संगठन के पदाधिकारियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया।जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने सभी सदस्यों एवम पदाधिकारियों को साथ देने के लिये धन्यवाद दिया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि हमे और मेहनत करने की आवश्यक्ता है। संगठन को मजबूत बनाने के लिये सभी पदाधिकारियों को सदस्य जोड़ने का काम करना होगा। भानु संगठन ने हमेशा भ्रस्टाचार के खिलाफ जंग लड़ा है और आगे भी लड़ता रहेगा। किसानों प्रति अन्याय बर्दास्त नही किया जाएगा। जिलाध्यक्ष ने पदाधिकारियों से कहा कि सभी लोग अपने क्षेत्र में घूम कर किसानों के समस्याओं की जानकारी हासिल करें ताकि संबंधित अधिकारी को अवगत कराया जा सके। बैठक में जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा अरुण कन्या,जिला उपाध्यक्ष ज्ञान सिंह यादव,संगठन मंत्री अयोध्या प्रसाद यादव,तहसील अध्यक्ष शारदा प्रसाद अग्रहरी,ब्लाक अध्यक्ष तीरथ सिंह,दिवाकर कुशवाहा,ग्राम अध्यक्ष शशि कला,राम मूरत यादव,दसरथ लाल,कुसुम रामरति,आदि किसान शामिल रहे।

पॉक्सो एक्ट का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कड़ाधाम थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट और अन्य गंभीर धाराओं में वांछित एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देश पर तथा अपर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी सिराथू के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक विनीत सिंह के नेतृत्व में थाना कड़ाधाम पुलिस टीम ने मु0अ0सं0 84/2026 धारा 65(1), 351(2), 352 बीएनएस एवं 3/4(2) पॉक्सो एक्ट से संबंधित अभियुक्त को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार अभियुक्त हंसराज पटेल पुत्र कंधाई लाल उम्र (19 वर्ष), निवासी ग्राम गोविंदपुर मजरा ताजमल्लाहन, थाना कड़ाधाम को अधियारा मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। कड़ाधाम पुलिस का कहना है कि जनपद में अपराध और अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजनान्तर्गत मेगा शिविर का आयोजना

जिलाधिकारी ने पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ दिलाने के दिये निर्देश

अखंड भारत संदेश

गाजीपुर । प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को योजना से लाभान्वित किये जाने के उद्देश्य से आज आडिटोरियम हाल विकास भवन, गाजीपुर में मेगा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारम्भ जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला की अध्यक्षता में तथा मुख्य विकास अधिकारी आलोक प्रसाद की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। जिसमें अधिकारीगणों द्वारा प्रतिभाग किया गया राजन राय, जिला विकास अधिकारी, सच्चिदानन्द तिवारी, परियोजना अधिकारी यूपीनेडा, राजदेव कुमार, जिला अग्रणी प्रबन्धक (बैंक)-गाजीपुर, विवेक खन्ना, अधीक्षण अभियन्ता (विद्युत), गाजीपुर। कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य

आमजन को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ते हुए बिजली के खर्च को कम करना तथा सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना है। उन्होने सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए अधिक से अधिक पात्र परिवारों को इसका लाभ दिलवाया जाय। उन्होने कहा कि सोलर रूफटॉप सिस्टम के माध्यम से उपभोक्ता अपने घर की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर बिजली की बचत कर सकते हैं। उक्त कार्यक्रम में जिलाधिकारी द्वारा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को जनपद के प्रत्येक घरेलू उपभोक्ताओं के यहाँ सोलर संयंत्र स्थापित करावाने हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जनपद में समस्त नगर निगम, नगर पंचायत, खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय एवं विद्युत विभाग की सभी डिविजनों पर सोलर जागरूकता कैम्प का आयोजन कराकर आवेदन कराया जाय एवं जन सम्वाद के दौरान बताया गया कि जनपद में स्मार्ट मीटर की अनिवार्यता समाप्त कर दी गयी है। जनपद में आनग्रिड एवं हाईब्रिड दोनो प्रकार के सिस्टम उपलब्ध हैं। हाइब्रिड सिस्टम में लिथियम बैटरी के माध्यम से बिजली कटौती के दौरान निर्वाध विद्युत आपूर्ति प्राप्त की जा सकती है। जिलाधिकारी द्वारा सोलर ऊर्जा का लाभ अधिक सरलता से प्राप्त कराये जाने के उद्देश्य से आम जनमानस से अपील भी किया गया कि अधिक से अधिक उपभोक्ता इस महत्वाकांक्षी योजना से जुड़े तथा उक्त कार्यक्रम में नेडा विभाग के पंजीकृत वेण्डर्स द्वारा शिविर में लगभग 100 से अधिक आवेदन करवायें गये। इस अवसर ह्यह्यहनुमत रिन्यूएबल्स प्रा०लि०ह्यह्य द्वारा बताया गया कि जनपद में यूपीनेडा द्वारा प्रशिक्षित सूर्य मित्र के माध्यम से पात्र उपभोक्ताओं के घरों पर 02 किलोवाट सोलर रूफटॉप सिस्टम मात्र 90,000=00 में लगाये जायेगें एवं केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा सब्सिडी के रूप में 90,000=00 प्राप्त होगा।

कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था की होगी व्यापक जांच, मानक पूरे न करने वालों पर होगी कार्रवाई

सुलतानपुर-राजस्थान के कोटा और लखनऊ एव अन्य स्थानों पर कोचिंग संस्थानों में हुई दुर्घटनाओं से सबक लेते हुए सुलतानपुर प्रशासन ने जिले के सभी कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक जांच शुरू कर दी है।

इसी क्रम में मंगलवार को जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से सिविल लाइन स्थित मेहमान होटल के निकट संचालित कोहिनूर इंडिया कोचिंग सेंटर का निरीक्षण किया तथा वहां मौजूद सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में लगभग 196 कोचिंग संस्थान संचालित हो रहे हैं। इन सभी संस्थानों में अग्नि सुरक्षा (फायर सेफ्टी) मानकों,भवन की संरचना, आपातकालीन निकास व्यवस्था तथा अन्य सुरक्षा उपायों की गहन जांच कराई जा रही है। इसके लिए प्रशासन द्वारा तीन अलग-अलग जांच टीमें गठित की गई हैं,जो स्थलीय निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगी। जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी कोचिंग संस्थान में सुरक्षा मानकों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि विद्युत विभाग को भी निर्देशित किया गया है कि जिन कोचिंग संस्थानों में एयर कंडीशनर (एसी) एवं अन्य विद्युत उपकरण संचालित हो रहे हैं, वहां विद्युत कनेक्शन की स्वीकृत क्षमता (लोड) की जांच की जाए। यदि कहीं आवश्यकता से अधिक विद्युत भार का उपयोग किया जा रहा है तो उसे चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि कई भवन स्वामी एवं संचालक भवनों के अंदर सजावट के नाम पर लकड़ी अथवा अन्य ज्वलनशील सामग्री की पैनलिंग करा लेते हैं।

दीपेंद्र शुक्ला हत्याकांड में सगे भाई सहित चार आरोपी बरी

सुल्तानपुर। दीपेंद्र शुक्ला की सात साल पूर्व गोली मारकर हुई हत्या के मामले में जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुनील कुमार की अदालत ने शुक्रवार को अपना फैसला सुनाया। अदालत ने मामले में आरोपी सगे भाई रिंकू शुक्ला उर्फ रणविजय व राजू शुक्ला,उनके पिता रामचंद्र शुक्ला व सह आरोपी अजय शुक्ला को साक्ष्य के अभाव में संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया है। जिला जज के फैसले से हत्यारोपियों को बड़ी राहत मिली है।जयसिंहपुर थाने के सिसौड़ा गांव के रहने वाले वादी शिवशंकर शुक्ला ने 16 जून साल 2019 की सुबह करीब 5:30 बजे की घटना बताते हुए स्थानीय थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप के मुताबिक उनका बेटा दीपेंद्र शुक्ला शौच के लिए गांव के उत्तर तरफ स्थित तालाब पर गया था। इसी दौरान गांव के ही आरोपी अजय शुक्ला व एक बाल अपचारी ने वादी के पुत्र को पकड़ लिया और आरोपी रामचन्द्र के ललकारने पर आरोपी राजू शुक्ला ने दीपेंद्र के सीने में व आरोपी रिंकू ने हाथ में गोली मारकर उसकी हत्या कर दिया। मामले में वादी की तहरीर पर आरोपियो के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओ में मुकदमा दर्ज हुआ। तफ्तीश के दौरान एक आरोपी को बाल अपचारी पाया गया,जबकि शेष चार आरोपियो को जेल भेजने की कार्रवाई हुई और चार्जशीट भी पेश की गई। मामले का ट्रायल जिला जज की अदालत में चल रहा था। अभियोजन पक्ष ने आरोपियो को दोषी ठहराकर दंडित किये जाने की मांग की।

सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर में मूर्ति स्थापना पर भव्य रथ यात्रा, नगर हुआ भक्तिमय

अखंड भारत संदेश

गाजीपुर। जनपद के मुहम्मदाबाद थाना कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत नगर के महादेवा स्थित प्राचीन सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर में भगवान श्री कृष्ण एवं माता दुर्गा की प्रतिमा की पुनः मूर्ति स्थापना के पावन अवसर पर मंगलवार को श्रद्धा और भक्ति से परिपूर्ण भव्य रथ यात्रा का आयोजन किया गया।

हनुमान मंदिर, शाहनिंदा से प्रारंभ हुई इस दिव्य रथ यात्रा का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार, विधिवत पूजन-अर्चन और पूर्ण धार्मिक विधि-विधान के साथ किया गया। जैसे ही रथ आगे बढ़ा, पूरा वातावरण ह्लजय श्री रामह्व, ह्लहर हर महादेवह्व और ह्लजय माता दीह्व के गगनभेदी

जयकारों से गूंज उठा। रथ यात्रा शाहनिंदा मार्ग से प्रारंभ होकर सदर रोड, तहसील गोलंबर, विट्ठल मोड़, डॉक्टर अंसारी रोड, वकील बाड़ी मार्ग होते हुए ईदगाह रोड से गुजरती हुई पुनः सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर परिसर पहुंचकर संपन्न हुई। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही। यात्रा के दौरान भक्ति गीतों और जयघोषों से संपूर्ण नगर एक अद्भुत आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो गया। बड़ी संख्या में महिलाओं ने माता रानी की चुनरी धारण कर श्रद्धा भाव से रथ यात्रा में भाग लिया और नगर भ्रमण के दौरान आशीर्वाद प्राप्त किया। मार्ग के विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर रथ यात्रा का भव्य स्वागत किया तथा विधिवत पूजन-अर्चन कर अपनी आस्था प्रकट की। इस पावन अवसर पर पंडित अभिषेक तिवारी, ओपी गिरी, वीरेंद्र राय, मीरा राय, संजीव बिहारी, राजू गिरी, राजकुमार गिरी, सुनील गिरी सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मूर्ति स्थापना एवं रथ यात्रा के इस दिव्य आयोजन से संपूर्ण नगर का वातावरण पूर्णतः धार्मिक रंग में रंग गया तथा श्रद्धालुओं में अपार उत्साह और भक्ति भाव का संचार देखने को मिला।

संचारी रोगों पर वार की तैयारी, बल्दीराय ब्लॉक में बना एक्शन प्लान

सुल्तानपुर। बरसात के मौसम में संचारी रोगों के बढ़ते खतरे को देखते हुए बल्दीराय ब्लॉक प्रशासन ने कमर कस ली है। सोमवार को ब्लॉक सभागार में एडीओ पंचायत दयावंत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में ग्राम प्रधानों,पंचायत सचिवों,सफाईकर्मियों और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ संचारी रोग नियंत्रण अभियान की रणनीति तय की गई।बैठक में गांवों में विशेष सफाई अभियान चलाने,जलभराव वाले स्थानों की पहचान कर तत्काल निस्तारण कराने,नालियों की नियमित सफाई,फॉगिंग तथा जनजागरूकता कार्यक्रमों को तेज करने पर जोर दिया गया। एडीओ पंचायत ने कहा कि अभियान में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी जिम्मेदार कर्मियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभानी होगी।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बल्दीराय के डॉ.शशि प्रकाश सिंह ने संचारी रोगों से बचाव के उपाय बताते हुए लोगों को साफ-सफाई और शुद्ध पेयजल के उपयोग के प्रति जागरूक करने की अपील की।

अमेरिका-ईरान शांति समझौते पर मंडराता इजरायली खतरा!

अमेरिका-ईरान समझौता वास्तव में क्या हासिल करना चाहता था। इस समझौते पर हस्ताक्षर ईरान में युद्ध समाप्त करने, होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और तेहरान के परमाणु कार्यक्रम सहित व्यापक मुद्दों पर साठ दिवसीय वार्ता शुरू करने के लिए था। साथ ही, यह समझौता लेबनान में लड़ाई को भी रोकने का इरादा रखता था। यह किसी भी पैमाने पर एक उल्लेखनीय कूटनीतिक उपलब्धि थी।

वाशिंगटन और तेहरान के बीच एक नाजुक कूटनीतिक सफलता सीधे लेबनान में इजरायल की सैन्य आक्रामकता से टकरा गई है, और उस शांति समझौते पर गहरी छाया डाल दी है जो एक पीढ़ी में मध्य-पूर्व का सबसे निर्णायक कूटनीतिक मील का पत्थर बन सकता था।

आधुनिक मध्य-पूर्व की कूटनीति के दायरे में शांति हमेशा सबसे नश्वर वस्तु रही है। यह कड़वा सच एक बार फिर पूरी तीव्रता के साथ सामने आया जब शुक्रवार, 19 जून 2026 को अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड के शांत पर्वतीय रिसॉर्ट बुर्गनस्टॉक में निर्धारित कार्यान्वयन वार्ता शुरू होने से पहले ही बिखर गई।

समझौते की संरचना- यह समझने के लिए कि दुनिया एक ऐतिहासिक सफलता के कितने करीब थी, यह जानना आवश्यक है कि अमेरिका-ईरान समझौता वास्तव में क्या हासिल करना चाहता था। इस समझौते पर हस्ताक्षर ईरान में युद्ध समाप्त करने, होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और तेहरान के परमाणु कार्यक्रम सहित व्यापक मुद्दों पर साठ दिवसीय वार्ता शुरू करने के लिए था। साथ ही, यह समझौता लेबनान में लड़ाई को भी रोकने का इरादा रखता था। यह किसी भी पैमाने पर एक उल्लेखनीय कूटनीतिक उपलब्धि थी।

इजरायल का पत्ता- इस नाजुक कूटनीतिक क्षण में इजरायल न हस्ताक्षरकर्ता के रूप में, न मध्यस्थ के रूप में, बल्कि एक सक्रिय विध्वंसक के रूप में मैदान में उतरा। इजरायली सेना ने लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर रात भर हमले किए और लेबनान की

सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार कम से कम अठारह लोग मारे गए, जबकि पूरे क्षेत्र में शत्रुता रोकने के लिए बनाया गया अमेरिका-ईरान ढांचा अभी लागू था।

इजरायली राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इटामार बेन ग्विर ने घोषणा की कि 'पूरा लेबनान जलकर राख हो जाना चाहिए।'

ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सीधे जवाब देते हुए इजरायल पर 'स्थायी युद्ध' चाहने का आरोप लगाया और बेन ग्विर के बयानों को किसी आम दीवाने की बड़बड़ाहट नहीं बल्कि एक बैठे हुए राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री की सार्वजनिक पोस्ट बताया, और कहा कि ईरान इजरायली हमलों की निंदा करता है तथा अमेरिका को उनके परिणामों के लिए सीधे जिम्मेदार ठहराता है।

लेबनान पर दरार- लेबनान को लेकर विवाद पूरे कूटनीतिक ढांचे के नीचे बहने वाली वह दरार रही है जिसने अंततः सब कुछ हिला दिया। हालांकि पाकिस्तान, जिसने युद्धविराम में मध्यस्थता की, ने स्पष्ट रूप से कहा कि लेबनान युद्धविराम में शामिल है, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पत्रकारों को बताया कि अमेरिका इस बात से सहमत नहीं है कि इजरायल उस देश पर हमले बंद कर देगा।

इस बुनियादी अस्पष्टता ने– कि लेबनान समझौते की परिधि के भीतर है या बाहर– इजरायल को वह ऑपरेटिंग स्पेस दिया कि वह अपना अभियान तब भी जारी रखे जब वाशिंगटन और तेहरान के बीच समझौते की स्याही मुश्किल से सूखी थी।

वाशिंगटन दो पाटों के बीच- इस प्रकरण को विशेष रूप से महत्वपूर्ण बनाने वाली बात यह है कि अक्टूबर 7 के बाद के युग में शायद पहली बार, वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने इजरायली कार्रवाइयों की सार्वजनिक और कड़ी आलोचना उन शब्दों में की जो एक साल पहले अकल्पनीय होती। वेंस ने ईरान समझौते पर इजरायल के 'फ्रीकआउट' की निंदा की।

व्हाइट हाउस, जिसने ईरान समझौते में जबरदस्त राजनीतिक पूंजी लगाई है, इस बात से स्पष्ट रूप से निराश है कि उसका सबसे करीबी क्षेत्रीय सहयोगी सक्रिय रूप से उस कूटनीतिक ढांचे को कमजोर कर रहा है जो वाशिंगटन ने बनाया था। ट्रंप-नेतन्याहू संबंध का लेन-देन वाला स्वरूप, जिसे लंबे समय से एक अटूट गठबंधन के रूप में प्रस्तुत किया गया था, अपनी हकीकत दिखा रहा है।

फिर भी, प्रशासन की अपनी स्थिति में एक संरचनात्मक विरोधाभास है। लेबनान को युद्धविराम के ढांचे के भीतर स्पष्ट रूप से शामिल करने से इनकार करके, वाशिंगटन ने इजरायल को वह कानूनी अस्पष्टता प्रदान की जिसकी उसे हमले जारी रखने के लिए जरूरत थी। उस अस्पष्टता का परिणाम अब एक स्थगित शांति प्रक्रिया और दक्षिणी लेबनान में हिंसा के नए दौर के रूप में सामने है, जहां इजरायली हवाई हमलों और तोपखाने से मृतकों की संख्या शुक्रवार तक 47 हो गई है, जबकि लड़ाकू विमानों और तोपखाने ने नबातिया शहर और आसपास के कस्बों को निशाना बनाया है ।

आगे की राह-लेबनान का सवाल महज मानवीय चिंता का विषय नहीं है। यह किसी भी टिकाऊ अमेरिका-ईरान शांति के केंद्र में बैठा है। हिजबुल्लाह ईरान का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय प्रतिनिधि है, और तेहरान की यह क्षमता कि वह दावा कर सके कि शांति समझौते में लेबनान में इजरायली अभियानों का अंत भी शामिल है, किसी भी ऐसे समझौते की राजनीतिक वैधता के लिए केंद्रीय महत्व रखती है जिसे ईरानी नेतृत्व अपने घरेलू दर्शकों को बेच सके।

जबर्दस्त का ठेंगा, जबर मारे रोबन न दे!

– **राजेंद्र शर्मा**

भारतीय शासन का खासतौर पर पड़ोसी देशों के प्रति, जिनमें पाकिस्तान भी शामिल है, जो व्यवहार है उसे देखते हुए, खुद भारत का भी 'अंदरूनी मामलों' की दलील देने का कोई नैतिक अधिकार नहीं बनता है। इसके अलावा, इससे कैसे इंकार किया जा सकता है कि मानवता ने अब तक जो सार्वभौम मानव अधिकार स्वीकार किए हैं, जिसका एक रूप संयुक्त राष्ट्र संघ की मानवाधिकार घोषणाएं हैं और जो सर्वस्वीकृत मानव मूल्य हैं। भारतीय राजनीति

सच्चाई और पानी की खासियत एक जैसी मानी गयी है। उन्हें दबाने की जितनी कोशिश की जाती है, वे उतने ही वेग से निकल कर सामने आते हैं। कुछ ऐसा ही किस्सा मोदीशाही के भारत में अल्पसंख्यकों और खासतौर पर मुसलमानों के खिलाफ बढ़ते भेदभाव, अन्याय और अत्याचारों का और इनमें शासन की बढ़ती हिस्सेदारी का है। और यह सिलसिला अगर डबल इंजन सरकारों के रूप में, कानून-व्यवस्था पर मोदीशाही के प्रत्यक्ष नियंत्रण का दायरा लगातार बढ़ने के साथ, मस्जिदों-मजारों पर हमलों तक नहीं पहुंच रहा होता, तो ही आश्चर्य की बात होती। और अब जबकि यह सिलसिला तेजी पकड़ रहा है, इस सच्चाई को दबाने की सारी कोशिशों के बावजूद, न सिर्फ इस अन्याय का सच सामने आ रहा है बल्कि प्रसंगवश यह सच भी सामने आ रहा है कि मोदीशाही में मुख्यधारा की राजनीति में, जिसमें सत्तापक्ष ही नहीं विपक्ष भी शामिल है, अल्पसंख्यकों और खासतौर पर मुसलमानों की चिंताओं के लिए, कितनी कम जगह बची है।

वैसे तो ताजा संदर्भ बंगाल की फतेह से बढ़े हुए जोश के साथ, मुस्लिम मिरर की रिपोर्ट के अनुसार छः भाजपा-शासित राज्यों में पिछले करीब डेढ़ महीने में 23 से ज्यादा मस्जिदों, मदरसों, ईदगाहों तथा दरगाहों के ध्वस्त किए जाने का है। फिर भी इस क्रम में प्रधानमंत्री मोदी के चुनाव क्षेत्र, वाराणसी की गंज शहीदां मस्जिद के प्रकरण ने, अपने प्रकट अन्याय के लिए खासतौर पर देश में ही नहीं, देश के बाहर भी लोगों का ध्यान खींचा है। स्थानीय लोगों की मान्यता के अनुसार, इस मस्जिद के एक हजार वर्ष पुरानी होने को बहुत गंभीरता से नहीं भी लिया जाए तब भी, मस्जिद की इंतजामिया कमेटी के इसके दावों को अनदेखा नहीं किया जा सकता है कि 1883-84 के बंदोबस्ती नक्शों में और उससे पहले के राजस्व रिकार्डों में, इस जगह पर मस्जिद की मौजूदगी दर्ज है। संक्षेप में यह कि जिस काशी रेलवे स्टेशन के निकट स्थित होने के आधार पर, स्टेशन के पुनर्विकास तथा विस्तार के लिए, इस मस्जिद की जमीन की जरूरत का दावा किया जा रहा है और मस्जिद को रेलवे की जमीन पर काबिज बताया जा रहा है, मस्जिद उससे पुरानी ही ठहरेगी।

इसके बावजूद, जैसा कि अब भाजपा-शासित राज्यों में नियम ही हो गया है, इस मामले में रेलवे अधिकारियों द्वारा 17 जून को नोटिस चस्पां कर, 20 जून तक यानी तीन दिन में मस्जिद को हटाने का आदेश दे दिया। दिलचस्प है कि रेल प्रशासन के उसी नोटिस में यह दलील दी गयी है कि इस संबंध में मस्जिद इंतजामिया कमेटी का दावा स्थानीय सिविल अदालत में, अगस्त 2024 में खारिज कर दिया गया था। दो साल पहले के फैसले को रेलवे प्रशासन तीन दिन के नोटिस पर लागू कराने के लिए उतावला था! इससे पहले, वाराणसी में ही इसी रेलवे स्टेशन के परिसर में स्थित, अजगैब शहीद मस्जिद को भारी पुलिस बल तैनात कर, 2 जून की रात को बुलडोजरों से ध्वस्त कर दिया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार यह मस्जिद भी दो सौ साल पुरानी थी, जिसकी काफी धार्मिक मान्यता थी। याद रहे कि योगी राज में उत्तर प्रदेश, मस्जिदों तथा अन्य मुस्लिम धार्मिक स्थलों पर बुलडोजर चलवाने के मामले में भाजपा-शासित राज्यों में भी सबसे आगे रहा है। इन 45 दिनों में ही उत्तर प्रदेश में अकेले संभल में एक मस्जिद, एक ईदगाह तथा एक दरगाह को और इटावा में एक मजार, सैयद शाहबाबा दरगाह को ध्वस्त किया जा चुका था।

इस पृष्ठद्भूमि में गंज शहीदां मस्जिद के ढहाए जाने के नोटिस पर व्यापक और तीखी प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक था। यहां तक कि यह खबर पाकिस्तान तक पहुंची और स्वाभाविक रूप से पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने इसे भारत में मुस्लिम अल्पसंख्यकों के साथ ज्यादती का उदाहरण बनाते हुए, एक सार्वजनिक बयान जारी कर दिया। बयान में पाकिस्तान के राष्ट्रपति ने न सिर्फ ऐतिहासिक मुस्लिम स्थलों के खिलाफ ऐसी कार्रवाइयां रोके जाने और अल्पसंख्यकों के अधिकारों तथा साझा सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करने की मांग की बल्कि यह चेतावनी भी कि मौजूदा रास्ता बिखराव तथा चिर अशांति की ओर ले जाएगा।

हैरानी की बात नहीं है कि भारत सरकार की ओर से अपनी तीखी प्रतिक्रिया में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने पाकिस्तान को अपने गरेबां में झांकने की नसीहत दे डाली। किसी से छुपा हुआ नहीं है कि अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के मामले में अपने खराब रिकार्ड को देखते हुए, पाकिस्तान को किसी दूसरे देश को अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करने का उपदेश देने का नैतिक अधिकार तो नहीं ही है। और उसके अपने ऐसे रिकार्ड को इसके बावजूद माफ नहीं किया जा सकता है कि वह एक इस्लामी राज्य है, न कि भारत की तरह एक धर्मनिरपेक्ष राज्य। लेकिन, भारतीय विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया अल्पसंख्यकों के अधिकार के प्रश्न पर बोलने के पाकिस्तान के नैतिक अधिकार पर सवाल उठाने पर ही रुक नहीं गयी। उसमें न सिर्फ जरदारी की टिप्पणियों को दो-टूक तरीके से खारिज किया गया बल्कि यह दलील भी दी गयी कि 'ये भारत के अंदरूनी मामले हैं, जिन पर बोलने का उनको कोई अधिकार नहीं है।'

जाहिर है कि भारत-पाकिस्तान के रिश्तों के संदर्भ में हमारे 'अंदरूनी मामले' की यह दलील सामान्य से ज्यादा आक्रामक हो जाती है। लेकिन, एक यही मामला नहीं है जिसमें हमें 'अंदरूनी मामलों' की यह दलील सुनाई दे रही है। बात इससे उलट है। अल्पसंख्यकों के अधिकारों के संबंध में मोदी राज की हरेक अंतरराष्ट्रीय आलोचना को ठीक इसी दलील से खारिज किया जाता रहा है। यहां तक कि अमेरिका के साथ मातहती के अपने सारे रिश्तों के बावजूद, मोदी राज की 'अंदरूनी मामलों' की इस झाड़ू ने कभी भी अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यूएससीआईआरएफ) तक की आलोचनाओं को नहीं बख्शा है। 'अंदरूनी मामलों' की इस दुहाई को मोदी राज में तमाम अंतरराष्ट्रीय संगठनों तथा अध्ययनों को नकारे जाने की बेतुकी हद तक पहुंचा दिया गया है।

लेकिन, यहां एक विडंबना की ओर ध्यान खींचे बिना नहीं रहा जा सकता है। ऐसा लगता है कि मोदी राज की नजरों में,'अंदरूनी मामलों' के लिए यह सुरक्षा, भारत का ही विशेष अधिकार है। दूसरे देशों और खासतौर पर पड़ोसी देशों के ऐसे ही 'अंदरूनी मामलों' में आए दिन टिप्पणी करना, यही सरकार अपना विशेषाधिकार ही नहीं बल्कि कर्तव्य भी समझती है। यह सिर्फ पाकिस्तान तथा बांग्लादेश में (अफगानिस्तान के साथ अब रिश्ते सुधारे जा रहे हैं इसलिए वह अब इससे बाहर है) अल्पसंख्यकों के अधिकारों के सवाल उठाने तक ही सीमित नहीं है बल्कि नेपाल, भूटान आदि अन्य पड़ोसी देशों की अन्य अंदरूनी नीतियों में दादागीरी के अंदाज में दखलंदाजी की कोशिशों तक जाता है, जिसके चक्कर में ही मोदी राज में अधिकांश पड़ोसी देशों से भारत के रिश्ते ठंडे से ठंडे होते गए हैं।

फिर भी बात सिर्फ इतनी नहीं है कि वर्तमान भारतीय शासन का खासतौर पर पड़ोसी देशों के प्रति, जिनमें पाकिस्तान भी शामिल है, जो व्यवहार है उसे देखते हुए, खुद भारत का भी 'अंदरूनी मामलों' की दलील देने का कोई नैतिक अधिकार नहीं बनता है। इसके अलावा, इससे कैसे इंकार किया जा सकता है कि मानवता ने अब तक जो सार्वभौम मानव अधिकार स्वीकार किए हैं, जिसका एक रूप संयुक्त राष्ट्र संघ की मानवाधिकार घोषणाएं हैं और जो सर्वस्वीकृत मानव मूल्य हैं, उनके हिसाब से समाजों तथा देशों की जांच-परख और उससे निकली आलोचनाओं को, समुदायों और देशों की सीमाओं में बंद नहीं किया जा सकता है। इस विमर्श को ऐसी तंग सीमाओं में बंद करना तो मानवता के विकास के ही रास्ते बंद करना होगा। बेशक, राष्ट्रह्वों तथा समुदायों की संप्रभुता का सम्मान किया जाना भी जरूरी है, लेकिन इसके नाम पर सार्वभौम मानव अधिकारों तथा मूल्यों की अविभाज्यता की ओर से नजरें नहीं फेरी जा सकती हैं।

इस लिहाज से देखें तो धर्मनिरपेक्षता के हमारे अमल की पाकिस्तान की या बांग्लादेश की भी आलोचनाओं को सिर्फ इस आधार पर हमारा खारिज करना उचित नहीं होगा कि वे एक धार्मिक राज्य से आती हैं और अल्पसंख्यकों के अधिकारों के मामले में उनका अपना रिकार्ड उदाहरणीय नहीं है। आलोचनाओं को इस तरह नकारना आसान तो है, लेकिन उससे सच्चाई तो बदल नहीं जाएगी।

इसके विपरीत, अगर हम अपने धर्मनिरपेक्षता तथा जनतंत्र के दावों को सच होते देखने के प्रति गंभीर हैं, तो हमारे अपने हित में है कि हरेक आलोचना को टटोलकर देखें, उसमें कहीं सच्चाई का कोई अंश तो नहीं है। जरदारी के बयान का हमारा खंडन मौजूदा निजाम के रुख का शास्त्रीय उदाहरण है। बयान का खंडन तो कर दिया, पर उसमें जिस हजार साल पुरानी मस्जिद के ध्वस्त किए जाने के खतरे का जिक्र है, क्या विदेश मंत्रालय का बयान उसका भी खंडन करता है या कर सकता है? खंडन जरदारी के बयान का है, अल्पसंख्यकों के साथ ज्यादती की सच्चाई का नहीं।

मंदाकिनी को सदानीरा एवं कामदगिरी के मूल स्वरूप को बनाए रखने के लिए हुआ वेबीनार का आयोजन

● क्रियान्वयन के लिए प्रमुख एजेंसियों की जवाब देही के साथ विस्तृत कार्य योजना का हुआ प्रस्तुतीकरण

● चित्रकूट में पहाड़, जंगल और मंदाकिनी पर प्रमुखता से कार्य करने की जरूरत : डॉ सतीश एस

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, क्षेत्रीय निदेशालय भोपाल के सहयोग से मंगलवार को मंदाकिनी नदी के पुनर्जीवन, सीवेज प्रबंधन एवं पारिस्थितिक पुनर्स्थापना के लिए प्रस्तावित कार्य योजना संबन्धित बैठक का वर्चुअली आयोजन किया गया। दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन ने कहा कि चित्रकूट के मूल स्वरूप को बनाए रखते हुए इसके विकास के लिए जनता की पहल एवं पुरूषार्थ तथा शासकीय व सामाजिक संगठनों के सामूहिक प्रयत्न से बेहतर बनाना है। उन्होंने कहा कि नानाजी का हमेशा से ध्येय रहा है कि जनता की पहल और पुरुषार्थ से जो भी काम होता है हमेशा टिकाऊ होता है, नानाजी ने ढ़ाई दशक पूर्व पानी को लेकर काफी कुछ काम जन भागीदारी से करके दिखाया है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, क्षेत्रीय निदेशालय भोपाल के निदेशक डॉ अजीत कुमार विद्यार्थी ने वेबीनार का संयोजन करते हुए कहा कि मां मंदाकिनी को सदानीरा बनाने के लिए पूर्व में जो कार्यशाला और चिंतन हुआ है उसके आधार पर जो प्रमुख बातें निकलकर आई उनमें पवित्र कामदगिरि पहाड़ी का पुनर्स्थापन, पैसुनी (मंदाकिनी) नदी तंत्र का जलागम प्रबंधन, बाढ़ प्रबंधन, क्षतिग्रस्त वन पारिस्थितिकी तंत्र का पारिस्थितिक पुनर्स्थापन, सीवेज का इन-सीटू उपचार (स्थल पर उपचार), सीवेज प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर क्रियान्वयन के लिए वैज्ञानिक तरीके से जो कार्य योजना तैयार की गई हैं। उसका प्रस्तुतिकरण विशेषज्ञों के समक्ष रखा गया?।

इस अवसर पर प्रसिद्ध पर्यावरणविद प्रो सी. आर. बाबू ने मां मंदाकिनी नदी को कैसे सदानीरा बना सके और कामतानाथ धार्मिक स्थल को कैसे मूल स्वरूप में बनाए रखें इसके लिए उन्होंने अपनी जो विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की है उसका सभी विशेषज्ञों के समस्त प्रस्तुतीकरण उनके द्वारा किया गया।

इस मौके पर सतना कलेक्टर सतीश कुमार एस ने कहा कि जब भी चित्रकूट की बात होती है तो जन सामान्यतः पहाड़, जंगल और मंदाकिनी यह तीन प्रमुख विषय निकलकर आते हैं। जिस पर प्रमुखता से कार्य करने की जरूरत है, इस संदर्भ में उन्होंने नगर परिषद के साथ-साथ संबंधित विभागों को निर्देशित करते हुए विशेषज्ञों की रिपोर्ट को ध्यान में रखकर प्रभावी क्रियान्वयन की बात कही।

इस दौरान भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान झाँसी के डॉ. अरुण शुक्ला द्वारा प्रस्तुतीकरण किया गया?। केन्द्रीय भूजल बोर्ड भोपाल तथा मध्य प्रदेश परियोजना विकास कारपोरेशन द्वारा भी प्रस्तुतीकरण किया गया?। इसके अलावा अन्य संबंधित विशेषज्ञों द्वारा भी कार्य योजना पर विचार विमर्श हुआ?। साथ ही इस वर्चुअल कार्यशाला में सतना के जिला वन अधिकारी मयंक चांदीवाल एवं नगर परिषद चित्रकूट के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकित सोनी ने भी अपने विचारों को रखा।

कार्यक्रम के अंत में डीआरआई के कोषाध्यक्ष वसंत पंडित ने कहा कि पैसुनी उद्गम स्थल से लेकर चित्रकूट की मुख्य धारा तक का लगभग 60 प्रतिशत भू-भाग वन विभाग के अन्तर्गत है, फोरेस्ट डिपार्टमेंट के पास फंडिंग की भी कमी नहीं है इसलिए वन विभाग को प्रमुख क्रियान्वयन एजेंसी बनाकर कार्य हो तो बेहतर परिणाम मिल सकेंगे। उन्होंने कहा कि चित्रकूट एक अत्यंत महत्वपूर्ण सांस्कृतिक एवं पारिस्थितिक क्षेत्र है, अपनी जीवनरेखा माँ मंदाकिनी नदी के लिए प्रसिद्ध है। इस क्षेत्र का पर्यावरणीय संतुलन तथा नदी की पारिस्थितिकी चुनौतियों के समाधान के लिए एक समन्वित, बहु-क्षेत्रीय एवं कार्यान्वयन-उन्मुख दृष्टिकोण की आवश्यकता है। इस अवसर पर दीनदयाल शोध संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिल्ली अमिताभ वशिष्ठ एवं महाप्रबंधक डॉ. अनिल जायसवाल सहित कार्यकारी एजेंसियों के एक्सपर्ट प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अग्निशमन टीम द्वारा अभियान चलाकर कोचिंग संस्थानों का किया गया निरीक्षण

चित्रकूट। प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में कोचिंग सेन्टर में लगी भयानक आग के दृष्टिगत तथा पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश अग्निशमन तथा आपात सेवा लखनऊ के आदेश के अनुपालन में तथा पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में अग्निशमन सुरक्षा, बचाव, जागरूकता के संबन्ध में यदुनाथ सिंह मुख्य अग्निशमन अधिकारी पवन कुमार त्यागी प्रभारी अग्निशमन अधिकारी द्वारा अभियान चलाकर कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया गया।

जनपद के विभिन्न कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया गया तथा अग्निसुरक्षा उपकरणों का रख-रखाव आग के खतरों को कम करने व किसी भी आपात स्थिति में सुरक्षित पलायन के दृष्टिकोण से निरीक्षण किया गया एवं कार्यरत कर्मचारियों को अग्निशमन प्रशिक्षण मॉकड्रिल का आयोजन कराया गया।

निरीक्षण किए गए कोचिंग संस्थानों में वातरायनाह एकेडमी, कर्वी, मैथ्स एप्टीट्यूड, कर्वी, आशीर्वाद कोचिंग सेन्टर, पासी चैराह, आदित्य कोचिंग सेन्टर, कसहाई रोड कर्वी, सन राइज कैरियर एकेडमी, बलदाऊ गंज कर्वी, इमेजिन क्लासेज, शिवपुर चैराह मऊ, कॉन्सेप्ट कोचिंग क्लासेज, बरगढ थाना के पास, कैरियर कोचिंग सेन्टर, शिवपुर चैराह मऊ सहित इन्दिरा इन्स्टीट्यूट शिवपुर चौराह मऊ में यह अभियान चलाया गया।

किसान समस्याओं को लेकर खेत मजदूर यूनियन ने सौंपा ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश खेत मजदूर यूनियन के प्रादेशिक आवाहन पर चित्रकूट इकाई के दर्जनों कार्यकर्ता कैंप कार्यालय कचहरी से राजेंद्र कुमार के नेतृत्व में नारेबाजी करते तहसील मुख्यालय कर्वी पहुंचे और रामप्रसाद सिंह (पूर्व विधायक) की अध्यक्षता में सभा किए।

रामप्रसाद सिंह ने कहा कि यह सबसे बड़ी त्रासदी है कि आजादी के महानायक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम पर दुनियां की सबसे बड़ी ऐतिहासिक योजना मनरेगा, जिसके तहत ग्रामीण गरीब मजदूरों को गांव में ही काम मिल रहा था। जिसको तमाम कुर्बानियों और शहादतों के बाद खेत मजदूरों ने हासिल किया था। मनरेगा योजना में मजदूरों को काम और बेरोजगारी भत्ता की गारंटी के साथ ही सारे अधिकार ग्राम सभाओं को मिला हुआ था।

मौजूदा भारत सरकार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से इतनी नफरत है कि मनरेगा को समाप्त करके विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन गारंटी (ग्रामीण) योजना को कानूनी रूप देकर मनरेगा जैसी ऐतिहासिक योजना की हत्या कर रही है।

योजना में 90 प्रतिशत बजट का धन भारत सरकार और 10 प्रतिशत बजट का धन राज्य सरकारें बहन करती थी, फिर भी सभी को 100 दिन काम नहीं मिल पाता था, उसके ठीक विपरीत विकसित भारत- रोजगार और आजीविका मिशन गारंटी (ग्रामीण) योजना में भारत सरकार को 60 प्रतिशत ओर प्रान्तीय सरकारों को 40 प्रतिशत बजट की व्यवस्था करनी होगी, जाहिर है कि प्रान्तीय सरकारें पूरी तरह कर्जों तले दबी हुई हैं, ऐसे में प्रान्तीय सरकारें धन की व्यवस्था नहीं कर पाएंगी और भारत सरकार 60 प्रतिशत बजट से अतिरिक्त बजट की व्यवस्था नहीं करेगी। दूसरी बात है कि नये कानून के तहत भारत सरकार कृषि कार्य के समय पूरे दो महीने तक काम बन्द रखेगी और सारा अधिकार ग्राम सभाओं से छीनकर भारत सरकार ने अपने अधिकार में ले लिया है।

कामरेड राजेंद्र कुमार ने कहा कि सभी ग्रामीण खेत मजदूरों को वर्ष में 200 दिन काम और 700 रुपए प्रतिदिन न्यूनतम गारंटीशुदा मजदूरी दिया जाए, सभी ग्रामीण खेत मजदूरों को योजना के तहत काम न मिलने की स्थिति में बेकारी भत्ता की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए,सभी खेत मजदूरों को 55 वर्ष की उम्र के बाद न्यूनतम 6000 रुपए मासिक पेंशन की व्यवस्था किया जाए,मनरेगा योजना में भारत सरकार और प्रान्तीय सरकारों द्वारा दिए जाने वाले पुराने बजट व्यवस्था को बदस्तूर जारी रखने के साथ ही जाब कार्ड को ध्यान में रखते हुए 250 लाख करोड़ का बजट जारी किया जाए,सभी ग्रामीण खेत मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा की गारंटी सुनिश्चित किया जाए,सभी ग्रामीण खेत मजदूरों को उनके प्राकृतिक संसाधनों जल, जंगल, जमीन को वापस किया जाए,धारा 132 की जमीनों उसर, बंजर, ग्राम सभा की जमीनों पर बसे हुए और काबिज लोगों को बेदखल न किया जाए। उस पर खेत मजदूरों को मालिकाना हक दिया जाए।

संदीप पाण्डेय ने कहा कि सभी खेत मजदूरों को पक्का आवास के लिए 15 डिसमिल जमीन देने के साथ ही आवास के लिए पांच लाख रुपए दिया जाए, सभी ग्रामीण खेत मजदूरों को कृषि के लिए पर्याप्त जमीन आवंटित किया जाये।मर्जर, पेयरिंग और बन्द किए जा रहे प्राथमिक विद्यालयों पर अविलम्ब रोक लगाया जाए। स्कूलों, महाविद्यालयों, विश्व विद्यालयों में पिछड़े, दलितों, आदिवासियों पर किये जा रहे भेदभाव पर रोक लगाने के साथ विश्वविद्यालय गाइड लाइन्स को तत्काल प्रभाव से लागू किए जाएं। सभा के बाद राष्ट्रपति को संबोधित 13 सूत्री ज्ञापन सदर एसडीएम अजय कुमार को सौंपा गया।

सभा व ज्ञापन देने वालों में का. कमलेश कुमार सिंह, बृजभूषण सिंह, राम रूप यादव, राजधर विश्वकर्मा, हनुमान प्रसाद यादव बजरंगी, गोविंद, मुमताज अली सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

लापता अनुदेश का नहीं मिल रहा सुराग

चित्रकूट। राजापुर थाना क्षेत्र के छींबो गांव के निवासी राममूरत द्विवेदी ने बताया कि उनका बेटा महेन्द्र कुमार अनुदेशक है। बीते शनिवार को सबेरे महेन्द्र जिला मुख्यालय स्थित बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय जाने के लिए निकला था, किंतु इसके बाद से उसके सम्बन्ध में कोई जानकारी नहीं मिल रही है। महेन्द्र का मोबाइल भी बंद है। इसकी रिपोर्ट उन्होंने थाने में दर्ज कराई है, किंतु अब तक कोई सूचना नहीं मिली है। इसके चलते पूरा परिवार चिंतित है। पीड़ित ने उच्चाधिकारियों को पत्र भेजकर अनुदेशक पुत्र का पता लगवाने की गुहार लगाई है।

जिला वृक्षारोपण समिति जिला पर्यावरण समिति एवं जिला गंगा समिति की बैठक संपन्न

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला वृक्षारोपण समिति, जिला पर्यावरण समिति एवं जिला गंगा समिति की संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का संचालन प्रभागीय वनाधिकारी चित्रकूट द्वारा किया गया।

बैठक में आगामी माह में प्रस्तावित वृहद वृक्षारोपण अभियान की तैयारियों की समीक्षा की गई तथा सभी विभागों को अपने-अपने लक्ष्य के अनुरूप पौधारोपण स्थलों का चयन गड्ढा खुदान तथा संरक्षण संबंधी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। ग्राम्य विकास कृषि शिक्षाए पंचायती राज नगर निकाय तथा अन्य विभागों की भूमिका पर विशेष चर्चा की गई तथा जनसहभागिता के माध्यम से अभियान को सफल बनाने पर बल दिया गया।

बैठक में पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, मंदाकिनी नदी के संरक्षण तथा हरित आवरण बढ़ाने के लिए विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय स्थापित करने पर भी विचार विमर्श किया गया।

बैठक में बताया गया कि चित्रकूट जनपद की पहचान उसके समृद्ध वन क्षेत्रों धार्मिक एवं प्राकृतिक धरोहरों से है। वन क्षेत्र न केवल जैव विविधता एवं वन्यजीव संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैंए बल्कि जल स्रोतों के संरक्षणए भूजल संवर्धनए मृदा संरक्षणए स्थानीय जलवायु संतुलन तथा पर्यटन एवं आजीविका के प्रमुख आधार भी हैं। जनपद में वृक्षारोपण एवं वन संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप दिया जाना आवश्यक है।

बैठक में उप प्रभागीय वनाधिकारी राजीव रंजन सिंह, डीपीओ गोपाल कृष्ण गुप्ता, आईटी प्रभारी दानिश वसीम, वन विभाग के समस्त रेंज स्टाफ एवं 21 विभागों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

एल.डी. पाण्डेय बने मेडिकल सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन के अध्यक्ष

कर्वी यूनिट की नई कार्यकारिणी गठित

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन कर्वी यूनिट की बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। उरई से आए प्रवेक्षक प्रताप यादव की देखरेख में संपन्न चुनाव में एल.डी. पाण्डेय को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया। नई कार्यकारिणी में रजनीश शर्मा उपाध्यक्ष, शशिकांत द्विवेदी मंत्री, शारदा प्रसाद उपमंत्री तथा अभिषेक सिंह कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। इसके अलावा शोभराज मिश्रा, आयुष साहू, प्रियांशु केसरवानी, रोहित ठाकुर, विनोद तिवारी व योगेश पाण्डेय को सदस्य, कृष्णा पाण्डेय व आशीष सोनी को ऑडिटर तथा अमित पाण्डेय व रजनीश पाण्डेय को संगठन का मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। नवनियुक्त अध्यक्ष एल.डी. पाण्डेय ने संगठन को मजबूत करने व मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स के हितों की रक्षा का संकल्प जताया।

जिले में बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर के जरिए प्राकृतिक खेती को दिया जाएगा बढ़ावा

चित्रकूट। उप कृषि निदेशक जेएल गुप्ता ने बताया कि कृषि विभाग द्वारा संचालित नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग योजनान्तर्गत जिले में एक बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर चयन करने के निर्देश प्राप्त हुए हैं। कहा कि प्राकृति साधनों को सफलता पूर्वक अपनाने, पशु और पौधों पर आधारित प्राकृतिक संसोधानों की तैयारी के लिए पशुधन और पौधों तक पहुंच महत्वपूर्ण है। इसलिए स्थानीय स्तर पर उद्यम मॉडल में एनएफ इनपुट के उत्पादन और आपूर्ति के लिए एक बीआरसी (बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर) स्थापित करने और प्राकृतिक खेती (एनएफ) अपनाने के इच्छुक किसानों और जो स्वयं इन्हे तैयार करने की स्थिति में नही है, उन्हे सहायता प्रदान करने का प्रस्ताव है। बीआरसी को ग्राम पंचायत गौशालाओं, एनएफ किसानों, एफपीओ, एसएचजी, पैक्स सहकारी समितियों, स्थानीय ग्रामीण उद्यमी आदि द्वारा संचालित किया जाएगा। बीआरसी (बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर) संचालन के लिए योजनान्तर्गत एक लाख रुपये धनराशि की सहायता राशि का प्राविधान है। उन्होंने इच्छुक कृषकों एवं संस्था जो कि प्राकृतिक संसाधनों को सफलता पूर्वक अपनाने के लिए पशुधन और पौधों पर आधारित प्राकृतिक संसाधनों की स्थानीय स्तर पर उद्यम मॉडल में एनएफ इनपुट के उत्पादन और आपूर्ति के लिए बायो इनपुट रिसोर्स से तैयार किए गए इनपुट्स के फोटो ग्राफ सहित 27 जून तक उप कृषि निदेशक, कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने की अपील की है। जिससे जनपद स्तर पर गठित समिति से चयन कराकर कार्यक्रम को संचालित किया जा सके।

पांच स्वास्थ्य उपकेंद्र व एक बीपीएचयू के लिए निर्माण के लिए 262.46 लाख की प्रशासनिक स्वीकृति मंजूर

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जनपद में पन्द्रहवें वित्त आयोग के अंतर्गत हेल्थ ग्रांट सेक्टर से पांच स्वास्थ्य उपकेंद्रों और एक ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट (बीपीएचयू) के निर्माण के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने बताया कि इन निर्माण कार्यों पर कुल 262.46 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। कार्यदायी संस्था के रूप में जिला पंचायत, चित्रकूट को नामित किया गया है और धनराशि भी निर्गत की जा चुकी है।

जिलाधिकारी ने बताया कि शासनादेशों और संबंधित विभागीय पत्रों के क्रम में जिला स्वास्थ्य समिति, चित्रकूट की बैठक में स्वीकृत सूची के आधार पर पांच स्वास्थ्य उपकेंद्र और एक बीपीएचयू के लिए स्थल चयन की प्रक्रिया पूरी की गई। इसके लिए उपजिलाधिकारियों से चयनित स्थलों के संबंध में आख्या मांगी गई थी। प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय कार्यक्रम अनुश्रवण एवं मूल्यांकन, परिवार कल्याण महानिदेशक, उत्तर प्रदेश द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप स्थलों का चयन किया गया है।

इन स्थानों पर बनेंगे स्वास्थ्य उपकेंद्र

प्रशासनिक स्वीकृति के अनुसार जिले की विभिन्न तहसीलों और विकासखंडों में स्वास्थ्य उपकेंद्र बनाए जाएंगे जिसमें तहसील कर्वी की ग्राम सभा चिल्ला माफी में स्वास्थ्य उपकेंद्र, तहसील मानिकपुर की ग्राम सभा चुरेह केशरूवा दराई में स्वास्थ्य उपकेंद्र, तहसील राजापुर, विकासखंड पहाड़ी की ग्राम सभा बरद्वारा में स्वास्थ्य उपकेंद्र, तहसील राजापुर, विकासखंड रामनगर की ग्राम सभा तीर मऊ में स्वास्थ्य उपकेंद्र, तहसील मऊ की ग्राम सभा सखौहा में स्वास्थ्य उपकेंद्र बनाया जाएगा। इन पांचों स्वास्थ्य उपकेंद्रों के निर्माण पर प्रत्येक के लिए 41.19 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इस प्रकार उपकेंद्रों के निर्माण पर कुल 205.95 लाख रुपये खर्च होंगे।

इसके अलावा तहसील मऊ, विकासखंड मऊ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मऊ में ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट (बीपीएचयू) का निर्माण कराया जाएगा। जिसमें 56.51 लाख रुपये खर्च होंगे।

जिलाधिकारी ने बताया कि शासनादेश बीते 24 फरवरी के अनुसार प्रस्तावित बीपीएचयू और उपकेंद्रों के निर्माण के लिए भारत सरकार द्वारा निर्धारित विशिष्टियों के अनुरूप डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) तैयार की जाएगी। इसमें स्थानीय आवश्यकताओं को भी शामिल किया जाएगा। डीपीआर का निर्माण जिला पंचायत द्वारा कराया जाएगा तथा निर्माण कार्यों के आकलन का सत्यापन भी जिला पंचायत द्वारा किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि कार्यों की प्रशासनिक स्वीकृति जिलाधिकारी स्तर से तथा तकनीकी स्वीकृति सक्षम स्तर से पंचायतीराज विभाग की अधिसूचना के अनुसार प्राप्त की जाएगी। साथ ही, चिकित्सा अनुभाग-9 के शासनादेश के अनुसार बीपीएचयू निर्माण में 50 लाख रुपये से अधिक होने वाली अतिरिक्त लागत पंचायत विभाग अपने स्वयं के अथवा अन्य स्रोतों, जैसे प्राप्त धनराशि के ब्याज, से वहन करेगा।

जिलाधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के उद्देश्य से यह निर्माण कार्य जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

ब्लैक स्पॉट्स को तत्काल ठीक करने तथा साइन बोर्ड व रंबल स्ट्रिप लगाने के निर्देश

● बिना फिटनेस प्रमाण-पत्र के नहीं चलेंगी स्कूली बसें, ओवरस्पीडिंग पर पैनी नजर

● हाईवे पर अतिक्रमण और अवैध ढाबों के विरुद्ध संयुक्त कार्रवाई का अल्टीमेटम

चित्रकूट। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह की मौजूदगी में जिला सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में गत माह के कार्यवृत्त की अनुपालन आख्या पर विस्तृत चर्चा करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को कड़े दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय राजमार्ग-35 पर निर्मित रंबल स्ट्रिप्स पर अब तक पेंटिंग न कराए जाने पर असंतोष व्यक्त किया। अधिशासी अभियंता, राष्ट्रीय राजमार्ग खंड (बांदा) ने अवगत कराया कि निविदा (टेंडर) प्रक्रिया गतिमान है, जिसे शीघ्र स्वीकृत कराकर पेंटिंग का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने खोह से भौंरी तक क्षतिग्रस्त व असमान सड़क को तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

खोह पुल के पुनर्निर्माण के संबंध में निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि कार्य प्रारंभ होने से न्यूनतम 10 दिवस पूर्व सूचित किया जाए ताकि ससमय रूट डायवर्जन (मार्ग परिवर्तन) की सुचारू व्यवस्था की जा सके। उन्होंने निर्माण कार्य को न्यूनतम समयावधि में पूर्ण करने की हिदायत दी जिससे आमजन को असुविधा न हो सके।

बैठक में पुलिस क्षेत्राधिकारी (यातायात) ने अवगत कराया कि जनपद में कुल 21 ब्लैक स्पॉट्स चिन्हित कर मुख्यालय भेजे गए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि गत माह में 21 सड़क दुर्घटनाएं प्रतिवेदित हुई हैं, जो कि विगत वर्ष की समान अवधि से कम हैं।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि आगामी बैठक में प्रत्येक सड़क दुर्घटना के कारणों और स्थल का संक्षिप्त विश्लेषणात्मक विवरण प्रस्तुत किया जाए, ताकि सुधारात्मक कार्रवाई की जा सके। उन्होंने विशेष रूप से रौली, कल्याणपुर, भरतपुर एवं चैहान ढाबा जैसे संवेदनशील दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों तथा मुख्य राजमार्ग से जुड़ने वाले ग्रामीण मार्गों पर रंबल स्ट्रिप, साइन बोर्ड और साइनेज अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश दिए। यातायात नियमों के उल्लंघनकताओं के विरुद्ध की गई प्रवर्तन कार्रवाई की समीक्षा के दौरान ओवरस्पीडिंग चालान मई माह में स्पीड गन के माध्यम से 2972 चालान किए गए।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन वाहन चालकों का तीन बार चालान हो चुका है, उनका ड्राइविंग लाइसेंस स्थायी रूप से निरस्त करने की कार्रवाई की जाए। आगामी शिक्षण सत्र के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने विद्यालयी वाहनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए। यात्री एवं मालकर अधिकारी ने बताया कि अब तक 292 स्कूली वाहनों का फिटनेस परीक्षण किया गया है, जिसमें से 16 वाहन अनफिट पाए गए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि बिना वैध फिटनेस प्रमाण-पत्र के कोई भी स्कूली वाहन सड़क पर संचालित नहीं रहना चाहिए।

राजमार्गों को सुरक्षित बनाने के लिए जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग और पुलिस क्षेत्राधिकारी (यातायात) को संयुक्त बैठक कर राष्ट्रीय राजमार्गों पर स्थित अवैध ढाबों तथा अतिक्रमण को तत्काल हटवाने के लिए संयुक्त अभियान चलाने का आदेश दिया।

बैठक में पुलिस क्षेत्राधिकारी (यातायात) यामीन अहमद, अधिशासी अभियंता (लोक निर्माण विभाग) जितेंद्र कुमार सिंह, अधिशासी अभियंता (राष्ट्रीय राजमार्ग खंड, बांदा) तथा अधिशासी अभियंता (राष्ट्रीय राजमार्ग, प्रयागराज) सहित समिति के अन्य सदस्य व विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

हनुमान मंदिर में कराया गया कन्या भोज व भण्डारा

चित्रकूट। बेटे की बिमारी ठीक करने संबंधी मन्नत पूर्ण होने पर श्रद्धालु परिवार ने मंगलवार को सिधौली हनुमान मंदिर में कन्या भोज व भंडारा का आयोजन कराया। राजापुर तहसील क्षेत्र के सिधौली स्थित प्रसिद्ध हनुमान मंदिर में मंगलवार को कौशांबी जिले के मंझनपुर क्षेत्र के सोनारन पुरवा निवासी शिवकुमार अग्रहरि अपने परिवार सहित पहुंचे और वर्षों पूर्व मानी गई मनौती पूरी करते हुए कन्या भोज एवं भंडारे का आयोजन कराया। जानकारी के अनुसार, लगभग पांच वर्ष पहले शिवकुमार के पुत्र हैप्पी अग्रहरि की तबीयत गंभीर रूप से खराब हो गई थी। परिवार द्वारा प्रयागराज, सतना, मंझनपुर सहित विभिन्न स्थानों पर उपचार कराया गया, लेकिन बच्चे के स्वास्थ्य में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। इसी दौरान शिवकुमार अपने रिश्तेदार राधेश्याम के गांव रैपुरा आए। राधेश्याम ने उन्हें सिधौली स्थित प्रसिद्ध हनुमान मंदिर में दर्शन कराने की सलाह दी। इसके बाद शिवकुमार अपने पुत्र को लेकर मंदिर पहुंचे और हनुमान मंदिर के दर्शन किए। उन्होंने मन ही मन संकल्प लिया कि यदि उनके पुत्र का स्वास्थ्य ठीक हो जाता है तो वे मंदिर में आकर कन्या भोज कराएंगे। परिजनों के अनुसार, मंदिर में दर्शन के कुछ समय बाद बच्चे की तबीयत में सुधार होने लगा और वह पूरी तरह स्वस्थ हो गया। हालांकि समय बीतने के साथ मनौती पूरी नहीं हो सकी। इसके बाद शिवकुमार अग्रहरि अपनी पत्नी प्रीति अग्रहरि, पुत्र हैप्पी अग्रहरि तथा पुत्रियों ओमसी और श्रद्धा के साथ सिधौली हनुमान मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना की तथा कन्या भोज और भंडारे का आयोजन कर अपनी मनौती पूर्ण की। मंदिर परिसर में आयोजित भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और जय हनुमान के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

कृषि संकल्प अभियान के तहत किसानों को किया गया जागरुक

चित्रकूट। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मंगलवार को विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कर्वी विकासखंड क्षेत्र के अंतर्गत बराछ गांव में उप कृषि निदेशक जीत लाल गुप्ता की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान ग्रामीणों को प्राकृतिक खेती, उपलब्ध बीजों के साथ कृषि विभाग से संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। उप कृषि निदेशक ने किसानों को खरीफ में उपलब्ध बीज तथा प्राकृतिक खेती के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। साथ ही उन्होंने मृदा परीक्षण, जीवामृत, बीजामृत के बारे में भी किसानों को जानकारी दी। इसके अलावा भूमि संरक्षण योजनाओं एवं कृषि रक्षा के उपयोग तथा दुष्परिणामों के बारे में किसानों को जानकारी दी गई। इस मौके पर उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी सत्येन्द्र सिंह, भूमि संरक्षण अधिकारी बलजीत वर्मा, वरिष्ठ प्राविधिक सहायक राजेश सैनी आदि मौजूद रहे।

स्विट्ज़रलैंड के खिलाफ अमेरिका-ईरान की महाबैठक - जेडी वेंस

अमेरिका

अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत के पहले दौर के लिए स्विट्ज़रलैंड पहुंच चुके हैं। रविवार को होने वाली इस हाई प्रोफाइल मीटिंग में ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम और अमेरिका द्वारा फ्रीज की गई ईरान की संपत्ति को लेकर चर्चा होने की उम्मीद है। अगर दोनों देशों के बीच बात बन जाती है, तो अमेरिका ईरान के फंड से प्रतिबंध हटा सकता है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, वॉशिंगटन चाहता है कि ईरान संयुक्त राष्ट्र के निरीक्षकों को अपने उन परमाणु ठिकानों का दौरा करने की इजाजत दे, जिन पर पहले अमेरिका और इजरायल ने बमबारी की थी।

6 अरब डॉलर का फंड और 60 दिनों की डेडलाइन

इसके बदले में खबर है कि अमेरिका ईरान के फ्रीज किए गए फंड का कुछ हिस्सा जारी करने के मूड में है। इसकी शुरूआत कतर के बैंक अकाउंट में मौजूद 6 अरब डॉलर से होगी, जिसका इस्तेमाल सिर्फ मानवीय जरूरतों जैसे खाना और दवाई खरीदने के लिए किया जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के बीच हुई एक अंतरिम शांति डील के तहत इस बातचीत के लिए 60 दिनों का समय तय किया गया है। यह सालों पुराने टकराव को खत्म करने की एक बड़ी शुरूआत है, हालांकि इसमें इजरायल की तरफ से रुकावट आने का खतरा बना हुआ है।

पाकिस्तान बना मध्यस्थ, बैठक में शामिल होंगे शहबाज शरीफ और असीम मुनीर

इस बातचीत में मध्यस्थ की भूमिका निभाने के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर भी स्विट्ज़रलैंड के बर्गेनस्टॉक पहुंच चुके हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने साफ किया है कि वे इस डील को लागू कराने में अपना पूरा सपोर्ट देंगे। दूसरी तरफ, वॉशिंगटन से रवाना होने से पहले जेडी वेंस ने मीडिया से कहा कि उनका यह दौरा काफी छोटा होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि परमाणु मुद्दे के साथ साथ लेबनान में सीजफायर के मुद्दे पर भी कुछ पॉजिटिव प्रोग्रेस होगी।

बातचीत के लिए बर्गेनस्टॉक स्की रिजॉर्ट में जुटे दिग्गज

ईरान की सरकारी मीडिया [illegible] के अनुसार, ईरान की तरफ से इस मीटिंग में संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गालिबाफ, विदेश मंत्री अब्बास अरागची और सेंट्रल बैंक के गवर्नर अब्दोलनासेर हेम्मती शामिल हैं।

महिला अधिकारी के बीच तीखी बहस, शिष्टाचार की उड़ीं धज्जियां

संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र की एक सार्वजनिक सुनवाई के दौरान शुक्रवार को इजरायली राजनयिक और यूएन के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच बेहद तीखी और अभूतपूर्व बहस देखने को मिली। बात इतनी बढ़ गई कि इजरायल के राजदूत ने मंच से ही संयुक्त राष्ट्र की एक शीर्ष महिला अधिकारी को बार-बार चिल्लाकर "चुप रहने" की हिदायत दे डाली। इस टकराव ने गाजा युद्ध के बीच संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टों को लेकर इजरायल के बढ़ते गुस्से को एक बार फिर दुनिया के सामने ला दिया है। पैटन ने हाल ही में एक रिपोर्ट तैयार की थी जिसमें इजराइल को पहली बार संघर्ष से जुड़ी यौन हिंसा के कथित उल्लंघनों के लिए वठ की ब्लैकलिस्ट में शामिल किया गया था। जब 'संघर्ष में यौन हिंसा को खत्म करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस' के मौके पर आयोजित सुनवाई में दोनों आमने-सामने आए, तो माहौल गरमा गया।

डैनन ने वठ प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस का ज़िक्र करते हुए कहा, "आप इजराइल को निशाना बनाने के महासचिव के जुनून के आगे झुक गए।" इस टिप्पणी पर गुटेरेस की बच्चों और सशस्त्र संघर्ष मामलों की प्रतिनिधि वैनेसा फ्रेज़ियर ने हस्तक्षेप किया। उन्होंने 'पॉइंट ऑफ ऑर्डर' के तहत बात रोकी और डैनन पर "व्यक्तिगत हमले" करने का आरोप लगाया।

फ्रेज़ियर ने अपने कार्यालय की रिपोर्ट का बचाव करते हुए कहा कि वे सत्यापित सबूतों पर आधारित हैं। डैनन ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए वठ अधिकारी से चुप रहने को कहा। इजराइली राजदूत ने कहा, "हम एक सदस्य देश हैं और आप वठ के लिए काम करते हैं, और अब आप चुप रहेंगे। आप चुप रहेंगे... आप और आपकी शर्मनाक रिपोर्ट।"

उन्होंने आगे कहा, "हम जानते हैं कि आपने यह रुख क्यों अपनाया। हम आपको इस शर्मनाक अभियान का हिस्सा नहीं बनने देंगे। मैं अपनी बात पूरी करूंगा।" इस दौरान फ्रेज़ियर ने बीच में टोकने की कोशिश की और बैठक के आयोजकों ने व्यवस्था बनाए रखने को कहा।

इधर मेडियन लाइन चीन की पेंटारेबाजी, उधर ताइवान ने पहली बार पनडुब्बी का समुद्री परीक्षण शुरू किया

ताइवान

ताइवान और चीन के बीच टेंशन एक बार फिर बढ़ गई है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रविवार सुबह 6 बजे तक ताइवान के समुद्री इलाके के आसपास चीन के 2 मिलिट्री एयरक्राफ्ट, 8 नौसैनिक जहाज और 4 सरकारी जहाज ऑपरेट करते हुए पाए गए हैं। ताइवान की सेना इस पूरी सिचुएशन पर पैनी नजर रखे हुए है और ड्रैगन को करारा जवाब देने के लिए अलर्ट मोड पर है।

शनिवार को भी चीन ने दिखाई थी दादागिरी

इससे ठीक एक दिन पहले, यानी शनिवार को भी ताइवान ने अपने बॉर्डर के पास चीन के 5 फाइटर जेट्स, 9 नौसैनिक जहाज और 5 सरकारी जहाजों को डिटेक्ट किया था। बड़ी बात यह है कि इन 5 चीनी फाइटर जेट्स में से एक ने दोनों देशों के बीच की मीडियन लाइन को पार कर लिया था और ताइवान के साउथ-वेस्टर्न एयर डिफेंस आइडेंटिफिकेशन जोन में एंट्री कर ली थी। चीन की इस हरकत के बाद ताइवान की आर्म्ड फोर्सेज तुरंत एक्शन में आ गई थीं।

चीन के डर के बिना ताइवान का मेगा सबमरीन टेस्ट

चीन की इस बढ़ती मिलिट्री एक्टिविटी और धमकियों के बीच ताइवान ने भी अपनी ताकत का प्रदर्शन किया है। फोकस ताइवान की रिपोर्ट के मुताबिक, ताइवान की पहली डोमेस्टिकली बिल्ट सबमरीन अपने नए सी-ट्रायल के लिए काऊशुंग पोर्ट से रवाना हो चुकी है। इस ट्रायल में गहरे पानी में गोता लगाने का टेस्ट भी शामिल है। मिलिट्री

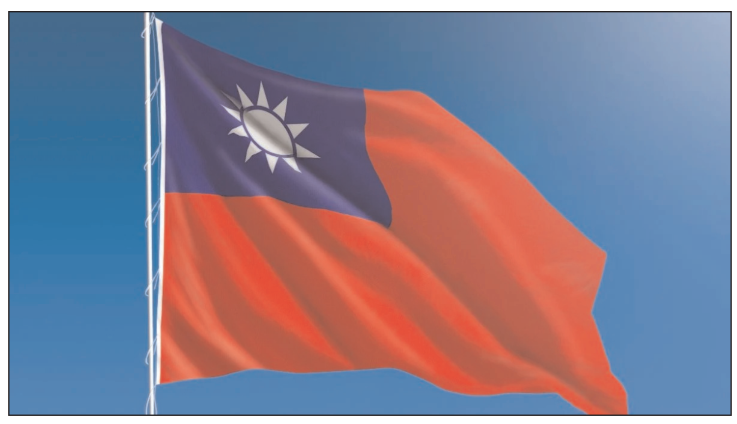

न्यूज एजेंसी के अनुसार, इस पनडुब्बी का यह कुल 15वां सी-ट्रायल है और पानी के नीचे चलने वाला 9वां टेस्ट है, जो दिखाता है कि ताइवान डिफेंस के मामले में आत्मनिर्भर हो रहा है।

आखिर क्या है चीन और ताइवान का पूरा विवाद?

चीन और ताइवान का यह विवाद ऐतिहासिक, राजनीतिक और कानूनी तौर पर बेहद पेचीदा है। बीजिंग का दावा है कि ताइवान उसका ही एक अटूट हिस्सा है और उसने इस बात को अपनी नेशनल पॉलिसी और इंटरनेशनल स्टेटमेंट्स में भी शामिल कर रखा है। चीन का यह दावा 1683 के किंग राजवंश के समय से जुड़ा है, जब चीन ने इस आइलैंड पर कब्जा किया था।

दूसरी तरफ, ताइवान खुद को एक इंडिपेंडेंट देश मानता है, जिसकी अपनी सरकार, अपनी सेना और अपनी खुद की मजबूत इकोनॉमी है। ताइवान का यह स्टेटस पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी डिबेट का मुद्दा बना हुआ है।

मैं बॉस हूँ... वायरल बयान के पीछे क्या था असली राज?

अमेरिका

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हमेशा दुनिया भर के मीडिया और लोगों के बीच चर्चा का केंद्र बने रहना बखूबी जानते हैं। हाल ही में फ्रांस में संपन्न हुए G7 शिखर सम्मेलन में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला, जहाँ ट्रंप ने अपने अनोखे अंदाज और वायरल बयान "मैं बॉस हूँ" से सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। अब, मीडिया आउटलेट Axios को दिए एक विशेष इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस बहुचर्चित बयान के पीछे की असली कहानी बताई है और स्पष्ट किया है कि उन्होंने ऐसा क्यों कहा था।

इस हफ़्ते की शुरूआत में, ट्रंप [illegible] समिट में दुनिया के नेताओं के साथ मीटिंग के लिए देर से पहुँचे। जब वे शान से कमरे में दाखिल हुए, तो ट्रंप ने मजाक में कहा, "मैं बॉस हूँ", जिससे कॉन्फ्रेंस टेबल पर बैठे नेता हँस पड़े। ईरान के साथ शांति समझौता होने के बाद ट्रंप समिट में चर्चा का केंद्र बन गए थे। इस समझौते से होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से खुल गया, जो दुनिया का एक अहम एनर्जी कॉरिडोर है और जहाँ से दुनिया का 20% तेल गुजरता है।

ट्रंप ने 'मैं बॉस हूँ' वाले बयान के बारे में बताया

जब Axios ने उनसे उनके वायरल बयान के बारे में पूछा और यह भी कि कितने [illegible] नेता ऐसा मानते हैं, तो ट्रंप ने तुरंत कहा, "वे सभी। लेकिन मैं बस मजाक कर रहा था।" थोड़ी देर रुकने के बाद, ट्रंप ने जोर देकर कहा कि वे बॉस बनने की कोशिश नहीं कर रहे थे, और उनका बयान "प्यारा और मजेदार" था। इसके बाद उन्होंने विस्तार से बताया कि उन्होंने ऐसा क्यों कहा था।

सीजफायर के बावजूद इजराइल ने लेबनान पर किए हवाई और ड्रोन हमले, 5 लोगों की मौत

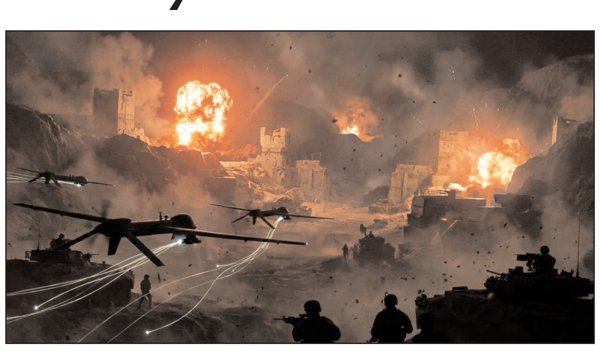

इजराइल

इजराइल और ईरान समर्थित चरमपंथी गुट हिज्बुल्लाह के बीच लंबे कूटनीतिक प्रयासों के बाद हुए सीजफायर (युद्धविराम) को शुरू हुए अभी कुछ ही घंटे बीते थे कि दक्षिणी लेबनान एक बार फिर बमबारी से दहल उठा। लेबनान की सरकारी मीडिया के हवाले से रॉयटर्स ने बताया कि शनिवार को इजराइल द्वारा किए गए हवाई और ड्रोन हमलों में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। इस ताजा हिंसा ने बेहद मुश्किलों से हुए इस शांति समझौते के भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

लेबनान की नेशनल न्यूज एजेंसी ने बताया कि इजराइली लड़ाकू विमानों और ड्रोन ने रात भर नबातीह इलाके में हमले किए, जिससे रिहायशी इमारतें और घर नष्ट हो गए। भोर होने से पहले तोपखाने से भी नबातीह और आसपास के इलाकों को निशाना बनाया गया। ये हमले इजराइल और ईरान समर्थित हिज्बुल्लाह समूह के बीच लड़ाई रोकने पर सहमति बनने के कुछ ही समय बाद हुए। इससे पहले सीमा पार लड़ाई में तेजी आई थी, जिससे व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष की चिंता बढ़ गई थी। अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सीजफायर शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार शाम 4 बजे से कुछ समय पहले लागू हुआ। इस समझौते की पुष्टि इजराइल के एक वरिष्ठ अधिकारी और हिज्बुल्लाह के दो सूत्रों ने अलग-अलग रॉयटर्स से बात करते हुए की।

ब्रिटेन में सिद्धांत भूचाल, अपनी ही पार्टी में शामिल हुए पीएम कीर स्टार्मर, विनाश का विनाश हुआ तेज

ब्रिटेन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। वहाँ के मशहूर अखबार द ऑब्जर्वर ने सोर्सेज के हवाले से यह दावा किया है, जिसके बाद ब्रिटेन में बड़ा राजनीतिक संकट खड़ा होने की उम्मीद है। हालांकि, सरकारी सोर्सेज का कहना है कि स्टार्मर का पूरा ध्यान अभी सरकार चलाने की अपनी जिम्मेदारियों पर है।

क्यों बढ़ रहा है पीएम स्टार्मर पर इस्तीफा देने का प्रेशर?

रिपोर्ट्स की मानें तो पिछले कुछ महीनों से स्टार्मर के खिलाफ उनकी खुद की लेबर पार्टी के अंदर बहुत ज्यादा प्रेशर बनाया जा रहा है। हाल ही में शुक्रवार को उनके बड़े प्रतिद्वंद्वी एंडी बर्नहैम ने उपचुनाव जीत लिया है और वे संसद सदस्य बन गए हैं। बर्नहैम की इस जीत ने स्टार्मर के खिलाफ सीधे तौर पर लीडरशिप को चुनौती देने का रास्ता पूरी तरह साफ कर दिया है।

सोमवार का दिन ब्रिटेन के लिए क्यों है सुपर क्रूशियल?

द ऑब्जर्वर के मुताबिक, कोई भी फाइनल फैसला लेने से पहले स्टार्मर ने अपने ऑफिशियल कंट्री होम चेकर्स में अपनी वाइफ के साथ इस पूरे मामले पर लंबी चर्चा की है।

डोनाल्ड ट्रंप का ईरान को अल्टीमेटम, होर्मुज स्ट्रेट में टोल टैक्स वसूली तो खैर नहीं

अमेरिका

अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्ज़रलैंड में होने वाली बड़ी शांति वार्ता से ठीक पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा बयान दिया। ट्रंप ने शनिवार को साफ कर दिया कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले कमर्शियल जहाजों पर किसी भी तरह का टोल टैक्स नहीं लगाया जाएगा।

ट्रंप का यह बयान उन मीडिया रिपोर्ट्स के बाद आया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि ईरान 60 दिनों के सीजफायर के बाद इस समुद्री रास्ते से गुजरने वाले जहाजों पर टैक्स वसूलने की प्लानिंग कर रहा है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर लिखा, "60 दिनों के युद्धविराम के दौरान होर्मुज स्ट्रेट में कोई टोल नहीं होगा। और इसके बाद भी कोई टोल नहीं लगाया जाएगा। अगर समझौता फेल होता है, तो केवल अमेरिका ही मिडिल ईस्ट के देशों की सुरक्षा पर हुए खर्च की भरपाई के लिए खुद ऐसा कदम उठा सकता है।"

ईरान ने फिर बंद किया दुनिया का सबसे अहम समुद्री रास्ता

लेबनान में इजरायल की तरफ से लगातार हो रहे हमलों से नाराज होकर ईरान ने शनिवार को होर्मुज स्ट्रेट को फिर से बंद करने का बड़ा एलान कर दिया है। ईरान की संयुक्त सैन्य कमान ने कहा कि यह कदम इजरायली हमलों और अमेरिका की बदनीयती के विरोध में उठाया गया है, क्योंकि अमेरिका ने युद्ध खत्म करने के अपने वादों को तोड़ा है। ईरानी सरकारी

टीवी ने यह चेतावनी भी दी है कि अगर हमले नहीं रुके, तो वे और भी कड़े कदम उठाएंगे।

स्विट्ज़रलैंड में तकनीकी दौर की बातचीत आज से शुरू

इस पूरे तनाव के बीच, ईरान के बातचीत करने वाले अधिकारी स्विट्ज़रलैंड पहुंच चुके हैं, हालांकि उन्हें इस मीटिंग से बहुत ज्यादा उम्मीदें नहीं हैं।

दूसरी तरफ, मुख्य मध्यस्थ पाकिस्तान ने जानकारी दी है कि रविवार को स्विट्ज़रलैंड के बर्गेनस्टॉक में टेक्निकल लेवल की बातचीत शुरू होगी। इस बातचीत में पाकिस्तान के साथ कतर के मध्यस्थ भी शामिल होने जा रहे हैं ताकि दोनों देशों के बीच बीच का रास्ता निकाला जा सके।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा

ढाका में भगवान राम की तस्वीर के अपमान के खिलाफ सड़कों पर उतरे हजारों हिंदू

बांग्लादेश

बांग्लादेश की राजधानी ढाका सहित कई इलाकों में अल्पसंख्यकों के अधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर तनाव चरम पर पहुंच गया है। रंगपुर में भगवान राम की सबसे ऊंची मूर्ति बनाने का विरोध कर रहे कट्टरपंथी इस्लामी समूहों द्वारा प्रभु श्रीराम की तस्वीर के कथित अपमान के बाद बांग्लादेश के हिंदू समुदाय में भारी आक्रोश है। शुक्रवार को हजारों की संख्या में हिंदुओं ने ढाका की सड़कों पर उतरकर विशाल मशाल जुलूस निकाला और 'जय श्री राम' के नारे लगाते हुए दोषियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की।

बांग्लादेश में यह नया तनाव उत्तरी गाइबांधा जिले के पलाशबाड़ी में भगवान राम की 81 फुट ऊंची मूर्ति का निर्माण कार्य रोके जाने के कुछ दिनों बाद पैदा हुआ है। इस प्रोजेक्ट को चलाने वाली श्री श्री राधा गोविंद मंदिर समिति का दावा है कि अधिकारियों को इस्लामी समूहों से धमकियां मिली थीं। इस घटना ने मुस्लिम-बहुल बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के अधिकारों को लेकर चिंताएं फिर से बढ़ा दी हैं।

बांग्लादेश में हिंदू विरोध प्रदर्शन क्यों कर रहे हैं?

हालांकि मामला दर्ज कर लिया गया है, लेकिन अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। शुक्रवार को कई हिंदू संगठनों और छात्रों ने प्रमुख शाहबाग चौराहे पर इकट्ठा होकर नेशनल प्रेस क्लब तक मार्च किया। विरोध प्रदर्शन का आह्वान हिंदू

महाजोत ने किया था। संगठन ने नेशनल प्रेस क्लब के सामने मानव श्रृंखला भी बनाई। एक अन्य समूह ने ढाका रिपोर्टर्स यूनिटी बिल्डिंग के पास विरोध प्रदर्शन किया। रंगपुर में, पुलिस द्वारा हिंदुओं को प्रदर्शन करने से रोकने के बाद मामूली झड़प हुई।

प्रदर्शनकारियों का दावा है कि इस महीने की शुरूआत में गाइबांधा में एक प्रदर्शन के दौरान इस्लामी भीड़ ने भगवान राम की तस्वीर पर जूता रखकर उसका अपमान किया था। तारिक रहमान के नेतृत्व वाली इठढ सरकार पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए, प्रदर्शनकारियों ने इसमें शामिल लोगों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए 72 घंटे का अल्टीमेटम दिया। मांग पूरी न होने पर हिंदू समुदाय ने और रैलियां और विरोध प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है।

शनिवार को धार्मिक मामलों के मंत्रालय को एक ज्ञापन भी सौंपा जाएगा।

इसके अलावा, हिंदू महाजोत ने कहा कि अगर भगवान राम की मूर्ति का निर्माण फिर से शुरू करने की अनुमति नहीं दी गई, तो वे बांग्लादेश के सभी 64 जिलों में एक-एक करके राम मंदिर बनाएंगे। शनिवार को भी विरोध प्रदर्शन जारी रहने की संभावना है, क्योंकि पूजा समारोहों के लिए राष्ट्रीय समिति ने देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की है। राम मूर्ति का निर्माण क्यों रोका गया है? पलाशबाड़ी में एक मंदिर परिसर के हिस्से के तौर पर भगवान राम की मूर्ति बनाई जा रही थी।

लगभग 80% काम पूरा हो चुका है। इस प्रस्तावित प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत लगभग 22 करोड़ बांग्लादेशी टका (लगभग 15.6 करोड़ रुपये) है। इसमें भगवान कृष्ण की 50 फुट ऊंची और भगवान शिव की 30 फुट ऊंची मूर्ति भी शामिल है। श्री श्री राधा गोविंद मंदिर समिति के अध्यक्ष हरिदास चंद्र दास ने बताया कि इस्लामी समूहों द्वारा प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों को धमकी दिए जाने के बाद काम रोक दिया गया।